राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार 05 जुलाई 2025 वर्ष-8,अंक-136 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

इंटरव्यू के बाद हाईकोर्ट जजों के नाम की अनुशंसा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और कॉलेजियम के दो वरिष्ठ सदस्य न्यायमूर्ति सूर्यकांत और जस्टिस विक्रमनाथ ने हाईकोर्ट जजों के लिए जो नाम ओर अनुशंसा आई थी। उन सभी का साक्षात्कार भी लिया है।सुप्रीम कोर्ट कालेजियम ने मध्य प्रदेश, राजस्थान, पटना, इलाहाबाद, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, गुवाहाटी,दिल्ली के जिन 54 नाम की अनुशंसा आई थी।उन नामो पर विचार करते हुए अनुशंसा की गई है। सभी के इंटरव्यू लिए गए हैं। इंटरव्यू के बाद कालेजियम ने अपनी अनुशंसा केंद्र सरकार के विधि मंत्रालय को भेजी है। जल्द ही केंद्र सरकार द्वारा हाईकोर्ट जजों के नियुक्ति पत्र जारी किए जा सकते हैं।

यूपी में बारिश से कई नदिया उफान पर, गंगा में डूबा महादेव मंदिर

बरसाती नदी में अचानक तेज पानी आने से बाइक सवार बहा, लोगों ने बचाया

लखनऊ। उत्तरप्रदेश में बारिश से नदियां उफान पर हैं। वहीं वाराणसी का रत्नेश्वर महादेव मंदिर गंगा नदी में आधे से ज्यादा डूब गया है। हरिश्चंद्र घाट भी डूब गया। इसके चलते शवदाह स्थल की जगह बदली गई है। इसके अलावा पंडा-पुरोहितों की 300 से ज्यादा स्थान डूब गए हैं। काशी में गंगा का जलस्तर 4 दिन में 15 फीट तक बढ़ा है। गुरुवार रात 11 बजे तक गंगा का जलस्तर 62.63 मीटर था। वहीं खतरे का निशान 71.262 है। शुक्रवार सुबह सहारनपुर में बरसाती नदी में तेज पानी आ गया। उसी समय नदी पार कर रहा बाइक सवार युवक बह गया। ग्रामीणों ने किसी तरह उसे बचाया। वहीं, लखनऊ में भी दोपहर को तेज बारिश शुरू हो गई। हजरतगंज इलाके में दिन में अंधेरा छा गया। मौसम विभाग ने शुक्रवार को 35 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया था। इस दौरान 20-30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। मौसम विभाग का कहना है कि अगले 4 दिनों तक मौसम ऐसा ही रहेगा। पिछले 24 घंटे में सबसे ज्यादा बारिश लखीमपुर खीरी में 245.9 मिमी हुई। प्रदेश में 2.7 मिमी बारिश हुई, जो सामान्य 5.7 मिमी से 53 फीसदी कम है। वहीं एक जून से अब तक प्रदेश में 133.2 मिमी बारिश हो चुकी है, जो सामान्य 122.5 मिमी से 18 फीसदी ज्यादा है। 5 जुलाई को यूपी के अधिकतर जिलों में हल्की से भारी बारिश की संभावना है। कहीं-कहीं पर बिजली भी गिर सकती है। 6 जुलाई को पश्चिमी यूपी के सभी जिलों में बारिश हो सकती है। पूर्वी यूपी के अधिकतर जिलों में बादल छाए रहेंगे। वहीं 7 जुलाई को पश्चिमी यूपी में भारी बारिश हो सकती है। प्रदेश के पूर्वी हिस्से में हल्की बारिश हो सकती है।

जम्मू में केंद्रीय मंत्री शिवराज ने निभाई मुहर्रम की परंपरा, लोगों को पिलाया शरबत

जम्मू। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मुहर्रम की परंपरा के चलते जम्मू-कश्मीर के प्रसिद्ध लाल चौक पर लोगों को गुरुवार को शरबत पिलाया। कश्मीर के दो दिवसीय आधिकारिक दौरे पर आए शिवराज ने शहर के वाणिज्यिक केन्द्र लाल चौक पर राहगीरों को शरबत वितरित किया। मुहर्रम इस्लामी कलैंडर का पहला महीना है। केंद्रीय मंत्री शिवराज ने पत्रकारों से बात में कहा कि लोगों को शरबत पिलाना मुहर्रम परंपरा का हिस्सा बनना एक दिल को छू लेने वाला अनुभव था। उन्होंने मुस्लिम समाज के वंचित वर्गों के लिए केन्द्र सरकार की योजनाओं के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में करीब पांच लाख लोग ऐसे हैं, जिनके पास पक्के मकान नहीं हैं। पीएम आवास योजना के तहत उन सभी को पक्का घर दिया जाएगा। केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि सरकार का मिशन महिलाओं को सशक्त और उन्हें लखपति दीदी बनाना है।

कैरेबियाई धरती पर ढोल-मंजीरा और भोजपुरी चौताल देख गदगद हुए प्रधानमंत्री मोदी

पोर्ट ऑफ स्पेन।

पांच देशों की यात्रा के दूसरे चरण में त्रिनिदाद और टोबैगो पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पोर्ट ऑफ स्पेन पहुंचने पर परंपरागत स्वागत हुआ। झाल-तासे और ढोल मंझीरे के साथ देशी अंदाज में भोजपुरी चौताल गाकर भव्य स्वागत किया गया। पीएम मोदी इस तरह देशी अंदाज में अपना स्वागत देखकर वशीभूत हो गए। पीएम मोदी ने इसे दोनों देशों के बीच का सांस्कृतिक जुड़ाव करार दिया है। त्रिनिदाद और टोबैगो में भोजपुरी चौताल के पारंपरिक प्रदर्शन के साथ स्वागत से पीएम मोदी मंत्रमुग्ध रह गए। इस तरह के स्वागत को उन्होंने अतुलनीय बताया। पीएम मोदी ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर भोजपुरी में पोस्ट कर अपने भाव साझा किए हैं। पीएम मोदी ने लिखा एक ऐसा सांस्कृतिक जुड़ाव जो अन्यत्र नहीं है! पोर्ट ऑफ स्पेन में भोजपुरी चौताल प्रदर्शन देखकर बहुत खुशी हुई। त्रिनिदाद और टोबैगो और भारत, विशेष रूप से पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार के कुछ हिस्सों के बीच का जुड़ाव उल्लेखनीय है। इससे पहले त्रिनिदाद एंड टोबैगो पहुंचे पीएम मोदी के दौरे की अहमियत को रेखांकित करते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, भारत के प्रधानमंत्री अपनी ऐतिहासिक यात्रा पर राजधानी पोर्ट ऑफ स्पेन पहुंचे। एयरपोर्ट पर उनका स्वागत प्रधानमंत्री कमला प्रसाद बिसेसर और उनके अन्य कैबिनेट मंत्रियों ने किया। भारत की तरफ से यह यात्रा ऐतिहासिक है क्योंकि 25 साल बाद कोई प्रधानमंत्री यहां आया है। अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने त्रिनिदाद और टोबैगो में भारतीय समुदाय के लोगों से भी मुलाकात की और देश के विकास में उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रवासी समुदाय ने न केवल विभिन्न क्षेत्रों में सफलता हासिल की है, बल्कि वे भारतीय संस्कृति से भी गहराई से जुड़े हुए हैं। बता दे कि विदेश मंत्रालय के मुताबिक इस देश में कुल 13 लाख लोग रहते हैं। इनमें से 45 फीसदी लोग भारतीय मूल के हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, भारत और त्रिनिदाद एंड टोबैगो के बीच संबंध बहुत मजबूत और खास हैं। यहां रहने वाले 45 प्रतिशत लोगों में से ज़्यादातर उत्तर प्रदेश और बिहार से आए लोग हैं। इनमें से अधिकांश

लोग भोजपुरी भाषी जिलों जैसे छपरा, आरा, बलिया, सीवान, गोपालगंज, बनारस, आज़मगढ़ से आए हैं।

रुस ने फिर किया यूक्रेन पर मिसाइल व ड्रोन से हमला, 23 लोग घायल

यूक्रेनी राष्ट्रपति का दावा- 270 मिसाइलों को हवा में मार गिराया

कीव।

रूस ने शुक्रवार सुबह यूक्रेन पर 500 मिसाइलों और ड्रोनों से हमला बोला। वहीं यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने दावा किया कि उसने रुस की 270 मिसाइलों को हवा में ही मार गिराया। इसके अलावा 330 शाहेद ड्रोन भी थे। इनमें से 208 ड्रोन को इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम के जरिए जाम कर दिया। इस हमले का सबसे बड़ा निशाना राजधानी कीव ही था। कीव के अलावा दिनप्रो, सुमी, खार्किव, चेर्निहिव और आसपास के इलाकों को भी नुकसान पहुंचाया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कीव के मेयर ने बताया कि इस हमले में कम से कम 23 लोग घायल हुए हैं और 14 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

इस हमले से कीव के कई इलाकों में अपार्टमेंट बिल्डिंग, दुकानों, एक स्कूल, अस्पताल, रेलवे लाइन और दूसरे जरूरी ढांचों को नुकसान पहुंचा है। धमाकों की आवाजें 3 जुलाई को रात 10 बजे से ही सुनाई देने लगी थीं और ये 4 जुलाई सुबह तक जारी रहीं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को फोन पर बात की थी। जनवरी में ट्रम्प के दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद दोनों नेताओं ने छठी बार बातचीत की। रूस के मुताबिक दोनों नेताओं ने यूक्रेन, ईरान और अमेरिका-रूस संबंधों समेत कई मुद्दों पर बात की।

इस दौरान पुतिन ने साफ कहा कि रूस, यूक्रेन वॉर की असल वजह को खत्म करके दम लेगा। उन्होंने कहा कि वे यूक्रेन के साथ बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन उसे नाटो में शामिल होने की जिद छोड़नी होगी और 2022 के बाद रूस ने जिन इलाकों पर कब्जा किया गया है उन्हें मान्यता देनी होगी। पुतिन के सीनियर एडवाइजर ने बताया कि ट्रम्प ने यूक्रेन वॉर जल्द खत्म करने की जरूरत पर जोर दिया। वहीं, पुतिन ने बातचीत के जरिए जंग का हल ढूंढने की कोशिश कर जोर दिया।

राजस्थान हाईकोर्ट ने डीजीपी शर्मा को सुनाया.....कोई भी आरोपी आपके आने का इंतज़ार नहीं करेगा

पुलिस के मौजूदा तरीकों पर कड़ी नाराजगी जाहिर की

जयपुर।

राजस्थान हाईकोर्ट ने लापता नाबालिगों के मामलों में राजस्थान पुलिस के मौजूदा तरीकों पर कड़ी नाराजगी जाहिर की है, और विशेष रूप से पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव शर्मा से आधुनिकीकरण का आग्रह किया है। कोर्ट ने पुरानी तकनीकों के इस्तेमाल, अंतर-राज्यीय समन्वय में कमी और डीएनए रिकॉर्ड तथा एआई जैसी आधुनिक तकनीकों के ५अभाव पर चिंता जाहिर की है। कोर्ट ने इस बात पर ज़ोर दिया कि पुलिस अभी भी पुराने तरीकों पर काम कर रही है। उनका मानना है कि पुलिस का यह बहाना कि मोबाइल बंद होने की वजह से वे नाबालिगों को ट्रेस नहीं कर पा रहे हैं, अब मान्य नहीं है। कोर्ट ने पुलिस को मोबाइल ट्रैकिंग से इतर भी नई तकनीकों पर काम करने का आग्रह किया है। दरअसल रामगंज थाना क्षेत्र के एक मामले का ज़िक्र करते हुए, जहाँ 6 फरवरी से एक नाबालिग लापता है, कोर्ट ने तत्काल कार्रवाई पर ज़ोर दिया। यदि किसी नाबालिग की लोकेशन किसी अन्य राज्य में मिलती है, तब राजस्थान से अधिकारी भेजने के बजाय, लोकल पुलिस अधिकारियों से तुरंत संपर्क कर आरोपी को हिरासत में लेने की कार्रवाई करनी चाहिए। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने डीजीपी शर्मा के सामने स्पष्ट किया, कोई भी आरोपी आपके आने का इंतज़ार नहीं करेगा। राजस्थान हाईकोर्ट ने पुलिस के पास डीएनए रिकॉर्ड की अनुपलब्धता पर भी चिंता जाहिर की है। उन्होंने 2 साल के बच्चे के गायब होने का उदाहरण दिया, जहाँ छह साल बाद भी पुलिस स्केच बनाने में असमर्थ थी। कोर्ट ने पुरज़ोर सिफारिश की है कि पुलिस को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग करना चाहिए, जिससे इसतरह के मामलों में काफी सुविधा मिलेगी।

बाबा बर्फानी के दर्शन करने तीर्थयात्रियों का तीसरा जत्था रवाना

अब तक 14,000 तीर्थयात्री पवित्र गुफा के कर चुके हैं दर्शन

जम्मू।

बाबा बर्फानी के दर्शन करने हजारों तीर्थयात्रियों का तीसरा जत्था शुक्रवार को दो अलग-अलग काफिलों में जम्मू से रवाना हुआ। अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि अनंतनाग जिले के पहलगाम और गांदरबल जिले के बालटाल से यात्रा शुरू होने के बाद से करीब 14,000 तीर्थयात्री पवित्र गुफा मंदिर में दर्शन कर चुके है।

उन्होंने बताया कि 4,723 पुरुषों, 1,071 महिलाओं, 37 बच्चों और 580 साधुओं और साध्वियों समेत 6,411 तीर्थयात्रियों का तीसरा जत्था रवाना हुआ। यह जत्था सीआरपीएफ की सुरक्षा में भगवती नगर से दो समूहों में गुरुवार रात सवा तीन बजे बालटाल और पहलगाम के लिए रवाना हुआ। जहां 138 वाहनों में सवार 3,622 तीर्थयात्रियों ने 48 किलोमीटर लंबे पारंपरिक पहलगाम मार्ग को चुना। वहीं 153 वाहनों में सवार 2,789 तीर्थयात्रियों ने छोटे लेकिन ज्यादा कठिन 14 किलोमीटर लंबे बालटाल मार्ग को चुना। बुधवार से अब तक कुल 17,549 तीर्थयात्री जम्मू से घाटी रवाना हुए हैं। बता दें जम्मू-कश्मीर के एलजी मनोज सिन्हा ने बुधवार को यात्रा को हरी झंडी दिखाई थी। पहलगाम में आतंकवादी हमले की घटना के बावजूद यात्रा कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सामान्य रूप से जारी है। भगवती नगर आधार शिविर को बहु-स्तरीय सुरक्षा घेरे में रखा गया है। अब तक साढ़े तीन लाख से ज्यादा लोगों ने तीर्थयात्रा के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराया है। जम्मू में 34 आवास केंद्र बनाए गए हैं और तीर्थयात्रियों को 'रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन' टैग जारी किए जा रहे हैं। यात्रा करने के इच्छुक तीर्थयात्रियों के मौके पर पंजीकरण के लिए 12 काउंटर लगाए गए हैं।

लॉ छात्रा गैंगरेप- पुलिस ने आरोपियों को कॉलेज लेकर जाकर किया सीन रीक्रिएट

कोलकाता। कोलकाता पुलिस ने शुक्रवार को लॉ कॉलेज की छात्रा से हुए गैंगरेप की जांच के सिलसिले में क्राइम सीन रीक्रिएट किया। पुलिस गिरफ्तार किए गए चारों आरोपियों के साथ साउथ कलकत्ता लॉ कॉलेज पहुंची। तीनों मुख्य आरोपियों में मोनोजीत मिश्रा, प्रमित मुखर्जी और जैब और सुरक्षा गार्ड पिनाकी बनर्जी को सुबह करीब 4.30 बजे कॉलेज ले जाया गया। इस प्रक्रिया को पूरा करने में करीब चार घंटे लगे। इसके बाद सभी को पुलिस स्टेशन वापस लाया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने बताया कि जो नतीजे सामने आए हैं, उनसे अब छात्रा के आरोपों से जांच की जाएगी और बाकी सबूतों से पुष्टि की जाएगी। सुरक्षा गार्ड पिनाकी को दोपहर बाद कोर्ट में पेश किया गया, क्योंकि उसकी पुलिस रिमांड 4 जुलाई तक है। मामले की जांच फिलहाल कोलकाता पुलिस का जासूसी विभाग कर रहा है। घटना 25 जून को पश्चिम बंगाल की राजधानी के कस्बा क्षेत्र में साउथ कलकत्ता लॉ कॉलेज में हुई थी। 5 दिन बाद 30 जून को कोलकाता पुलिस ने तीन मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था।

हिमाचल में काल बनी बारिश, 43 मौतें और 500 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति का नुकसान

शिमला।

देशभर में मानसून ने रौद्र रूप दिखाना शुरू कर दिया है। सिर्फ हिमाचल प्रदेश में 20 जून से शुरू हुए मानसून सीजन में 43 लोगों की मौत हुई है और कुल 500 करोड़ से ज्यादा का नुकसान दर्ज हुआ है। प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है, जबकि राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी हैं। हिमाचल राज्य आपदा प्रबंधन विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, राज्यभर में 14 मौतें बादल फटने की घटनाओं में, 8 बाढ़ और 7 डूबने की घटनाओं में, अन्य मौतें करंट लगने, भूस्खलन, सांप काटने और गिरने जैसी घटनाओं में हुईं। इसके अलावा 26 मौतें सड़क हादसों में हुईं। मंडी जिले में सबसे ज्यादा 20 और कांगड़ा में 13 लोगों की मौत हुई है। सिर्फ 3 जुलाई को ही 6 मौतें दर्ज की गईं। कुल मिलाकर 2024 में अब तक 548 मौतें और 958 लोग घायल हुए हैं। इतना ही नहीं 55 मकान और 198 गौशालाएं पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी हैं। संपत्ति को हुए नुकसान का आंकलन कुछ इसप्रकार है, 287.80 करोड़ की सार्वजनिक और 134.32 करोड़ की निजी संपत्ति को नुकसान हुआ है। कृषि क्षेत्र को 20.38 करोड़ और बागवानी को 13.48 करोड़ का नुकसान पहुंचा है।

ऑपरेशन सिंदूर' में भारत ने पाकिस्तान, चीन और तुर्किये के खिलाफ एक साथ जंग लड़ी

पाकिस्तान से हम फ्रंटलाइन पर लड़ रहे

नई दिल्ली।

भारतीय सेना के उप प्रमुख (डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ) लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर. सिंह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' से मिले महत्वपूर्ण सैन्य सबक को साझा किया। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसा संघर्ष था जिसने आधुनिक युद्ध की असल चुनौतियों को हमारे सामने रखा।

एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा, ÷हमारी एक सीमा थी, लेकिन दुश्मन तीन देश पाकिस्तान, चीन और तुर्किये। पाकिस्तान से हम फ्रंटलाइन पर जंग लड़ रहे थे, लेकिन उसके 81 प्रतिशत सैन्य संसाधन चीनी थे और उसे हरसंभव मदद भी चीन से मिल रही थी। वहीं तुर्किये ने पाकिस्तान को बैराकटर जैसे एडवांस ड्रोन उपलब्ध कराए। जो कि हमारे लिए बड़ी चिंता का सबक थे।

लेफ्टिनेंट जनरल सिंह ने खुलासा किया कि डीजीएमओ स्तर की बातचीत के दौरान पाकिस्तान को हमारी गतिविधियों के लाइव अपडेट मिल रहे थे, जिससे यह साफ हुआ कि हमें एयर डिफेंस और साइबर सुरक्षा के मोर्चे पर कहीं ज्यादा मजबूत होने की जरूरत है। इन दोनों मोर्चों पर तेजी से काम करना होगा।

उन्होंने कहा, ÷कुछ साल पहले जैसी स्थितियों को अब हम दुबारा सहन नहीं कर सकते। नेतृत्व का संदेश बिल्कुल स्पष्ट था कि इस बार लक्ष्य चुनना, प्लानिंग और ह्यूमन इंटेलिजेंस, सभी कुछ डेटा और तकनीक पर आधारित था। हमारी सेना ने कुल 21 संभावित लक्ष्यों में से 9 को अंतिम रूप से चुना और सफलतापूर्वक निशाना बनाया।÷

इस मौके पर लेफ्टिनेंट जनरल राहुल सिंह ने एयर डिफेंस की भूमिका को सबसे अहम बताया। उन्होंने कहा, ÷इस बार दुश्मनों ने हमारे पॉपुलेशन सेंटर्स पर ध्यान नहीं दिया, लेकिन अगली बार ऐसा हो सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहाड़ों की संवेदनशीलता को समझना भी जरूरी

यहां बादल फटने से एक ही परिवार के तीन लोग बह गए। धर्मशाला-चतरो-गगल मार्ग और अपर शिमला क्षेत्र में त्यूणी-हाटकोटी मार्ग जैसे कई प्रमुख मार्ग भूस्खलन के कारण क्षतिग्रस्त हो गए हैं। अभी तो सावन-भादों आगे हैं। दुखद यह कि वैज्ञानिकों द्वारा इस बारे में दी गई ढेर सारी चेतावनियां फाइलों में बंद हैं। सरकारी महकमे अपने ढर्रे पर काम कर रहे हैं जबकि पहाड़ जलवायु परिवर्तन के विविध कुप्रभावों से ग्रस्त हैं।

गंभीरता से देखें तो इन आपदाओं को बुलाने में इन्सान की भूमिका भी कम नहीं हैं। दुनियाभर के शोध कह रहे थे कि हिमालय पर्वत जैसे युवा पहाड़ पर पानी को रोकने, जलाशय बनाने और सुरंगें बनाने के लिए विस्फोटक के इस्तेमाल के अंजाम अच्छे नहीं होंगे।

हिमाचल में जल-रौद्र, पंकज चतुर्वेदी

सुंदर, शांत, सुरम्य हिमाचल प्रदेश में इन दिनों कुदरत ने रौद्र रूप धारण किया है। छोटे से राज्य का बड़ा हिस्सा अचानक आई तेज बरसात और जमीन खिसकने से त्रस्त है तो जहां आपदा आई नहीं वहां के लोग भी आशंका में जी रहे हैं। आषाढ़ में मानसून की पहली बौछार के साथ ही कई जिलों, विशेषकर कुल्लू और धर्मशाला में भारी बारिश और बादल फटने की घटनाएं हुई हैं। इससे कई जगहों पर भूस्खलन हुआ है। कुल्लू और धर्मशाला जिलों में अनेक जगह बादल फटने की घटनाएं हुईं, जिसमें कई लोगों की मौत हो गई है और अनेक लापता हैं। पिछले एक हफ्ते में कम से कम 30 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। कांगड़ा के खनियारा क्षेत्र में इंदिरा हाइड्रो प्रोजेक्ट के पास फ्लैश फ्लड में 20 मजदूर बह गए, जिनमें से कुछ के शव बरामद हुए हैं, बाकी की तलाश जारी है। कुल्लू की सेंज घाटी में तमाम पर्यटक फंसे हुए हैं। यहां बादल फटने से एक ही परिवार के तीन लोग बह गए। धर्मशाला-चतरो-गगल मार्ग और अपर शिमला क्षेत्र में त्यूणी-हाटकोटी मार्ग जैसे कई प्रमुख मार्ग भूस्खलन के कारण क्षतिग्रस्त हो गए हैं। अभी तो सावन-भादों आगे हैं। दुखद यह कि वैज्ञानिकों द्वारा इस बारे में दी गई ढेर सारी चेतावनियां फाइलों में बंद हैं। सरकारी महकमे अपने ढर्रे पर काम कर रहे हैं जबकि पहाड़ जलवायु परिवर्तन के विविध कुप्रभावों से ग्रस्त हैं।

इसी साल 14-15 फ़रवरी को आईआईटी, बॉम्बे में सम्पन्न दूसरे इंडियन क्रायोस्फीयर मीट में आईआईटी रोपड़ के वैज्ञानिकों ने एक शोधपत्र प्रस्तुत कर बताया था कि हिमाचल राज्य का 45 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा बाढ़, भूस्खलन और हिमस्खलन जैसी आपदाओं के प्रति संवेदनशील है। 5.9 डिग्री और 16.4 डिग्री के बीच औसत ढलान वाले और 1,600 मीटर तक की ऊंचाई वाले क्षेत्र विशेष रूप से भूस्खलन और बाढ़ दोनों के लिए प्रवण हैं। इस बैठक में दुनियाभर के लगभग 80 ग्लेशियोलॉजिस्ट, शोधकर्ता और वैज्ञानिक शामिल हुए। इतनी स्पष्ट चेतावनी के बावजूद न समाज चेता और न ही सरकार।

नेशनल रिमोट सेंसिंग एजेंसी, इसरो द्वारा तैयार देश के भूस्खलन नक्शे में हिमाचल प्रदेश के सभी 12 जिलों को बेहद संवेदनशील की श्रेणी में रखा गया है। देश के कुल 147 ऐसे जिलों में संवेदनशीलता की दृष्टि से मंडी को 16वें स्थान पर रखा गया है। यह आंकड़ा और चेतावनी फाइल में सिसकती रह गई।

यही हाल शिमला का हुआ जिसका स्थान इस सूची में 61वें नम्बर पर दर्ज है। प्रदेश में 17,120 स्थान भूस्खलन संभावित क्षेत्र अंकित हैं, जिनमें से 675 बेहद संवेदनशील मूलभूत सुविधाओं और घनी आबादी के करीब हैं। भूस्खलन की दृष्टि से किन्नौर जिला को सबसे खतरनाक माना जाता है। बीते साल भी किन्नौर के बटसेरी और न्यूगलसरी में दो हादसों में ही 38 से ज्यादा लोगों की जान चली गई थी। इसके बाद किन्नौर जिला में भूस्खलन को लेकर भारतीय भूगर्भ सर्वेक्षण के विशेषज्ञों के साथ-साथ आईआईटी, मंडी व रुड़की के विशेषज्ञों ने अध्ययन किया है।

हिमाचल सरकार की डिज़ास्टर मैनेजमेंट सेल द्वारा प्रकाशित एक 'लैंडस्लाइड हैज़ार्ड रिस्क असेसमेंट' अध्ययन ने पाया कि बड़ी संख्या में हाइड्रोपावर स्थल पर धरती खिसकने का खतरा है। लगभग 10 ऐसे मेगा हाइड्रोपावर प्लांट, स्थल मध्यम और उच्च जोखिम वाले भूस्खलन क्षेत्रों में स्थित हैं।

राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने विभिन्न एजेंसियों के माध्यम से सर्वेक्षण कर भूस्खलन संभावित 675 स्थल चिन्हित किए हैं। चेतावनी के बाद भी किन्नौर में, एक हज़ार मेगावाट की करचम और 300 मेगावाट की बासपा

परियोजनाओं पर काम चल रहा है। एक बात और समझनी होगी कि वर्तमान में बारिश का तरीका बदल रहा है और गर्मियों में तापमान सामान्य से कहीं अधिक पर पहुंच रहा है। ऐसे में मेगा जलविद्युत परियोजनाओं को बढ़ावा देने की राज्य की नीति को एक नाजुक और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील क्षेत्र में लागू किया जा रहा है।

यदि गंभीरता से देखें तो इन आपदाओं को बुलाने में इन्सान की भूमिका भी कम नहीं हैं। दुनियाभर के शोध कह रहे थे कि हिमालय पर्वत जैसे युवा पहाड़ पर पानी को रोकने, जलाशय बनाने और सुरंगें बनाने के लिए विस्फोटक के इस्तेमाल के अंजाम अच्छे नहीं होंगे, तब हिमाचल की जल धाराओं पर छोटे-बड़े बिजली संयंत्र लगाकर उसे विकास का प्रतिमान निरुपित किया जा रहा था।

कहने को तो प्रदेश के 50 स्थानों पर आईआईटी, मंडी द्वारा विकसित आपदा पूर्व सूचना यंत्र लगाये गए हैं। लेकिन आपदाएं बताकर नहीं आतीं।

कई शोध पत्र कह चुके हैं कि हिमाचल प्रदेश में अंधाधुंध जल विद्युत परियोजनाओं से चार किस्म की दिक्कतें आ रही हैं।

पहला इसका भूवैज्ञानिक प्रभाव है, जिसके तहत भूस्खलन, तेजी से मिट्टी का ढहना शामिल है। यह सड़कों, खेतों, घरों को क्षति पहुंचाता है। दूसरा प्रभाव जलभूवैज्ञानिक है जिसमें देखा गया कि झीलों और भूजल स्रोतों में जल स्तर कम हो रहा है। तीसरा नुकसान है- बिजली परियोजनाओं में नदियों के किनारों पर खुदाई और बह कर आये मलबे के जमा होने से वनों और चरागाहों में जलभराव बढ़ रहा है। ऐसी परियोजनाओं का चौथा खतरा है, सुरक्षा में कोताही के चलते हादसों की संभावना। हमें उन परियोजनाओं से बचना है, जो हिमालय पहाड़ के मूल स्वरूप पर खतरा हों।

संपादकीय

कैब नियमन मानक

समय की जरूरत और नई पीढ़ी के रुझान के मद्देनजर पिछले कुछ वर्षों में देश में कैब सेवाओं का आधार व्यापक हुआ है। कैब सेवाएं उपलब्ध कराने वाली देशी-विदेशी कंपनियों की कड़ी प्रतिस्पर्धा ने इस क्षेत्र को आशातीत विस्तार दिया है। लेकिन साथ ही चालकों के हित संरक्षण और उपयोगकर्ताओं के हितों के नियमन की आवश्यकता भी लंबे समय से महूसस की जा रही थी। इन सवारी सेवाओं पर लागू होने वाले नये दिशा-निर्देशों का मकसद कैब एग्रीगेटर्स को अधिक अवसर प्रदान करना, ड्राइवरों के कल्याण को सुनिश्चित करना और उपयोगकर्ताओं के हितों की रक्षा के बीच संतुलन बनाना है। सरकार ने उबर,ओला,इन-ड्राइव और रैपिडो जैसे एग्रीगेटर्स को पीक ऑवर्स के दौरान बेस किराए से दुगना तक चार्ज करने की अनुमति दी है। उल्लेखनीय है कि पहले यह बेस किराए से डेढ़ गुना अधिक था। जिसे सेवाओं में दबाव की स्थिति में किराये की तेजी के रूप में दर्शाया जाता था। इसके साथ ही, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा जारी संशोधित मोटर वाहन एग्रीगेटर दिशा निर्देश-2025 में गैर-पीक ऑवर्स के शुल्क को बेस किराए से पचास प्रतिशत से कम नहीं रखा गया है। दरअसल, यह कदम ये सुनिश्चित करने के लिये है कि पीक ऑवर्स के दौरान यात्रियों पर बोझ न पड़े और एग्रीगेटर्स अन्य समय में भारी छूट के माध्यम से प्रतिस्पर्धा को कम न करे। केंद्र सरकार के अनुसार, वर्ष 2020 के दिशा-निर्देशों के संशोधित संस्करण के नए मानदंड उपयोगकर्ता की सुरक्षा और चालक के कल्याण के मुद्दों पर ध्यान देते हुए एक हल्की-फुल्की नियामक प्रणाली प्रदान करने का एक प्रयास है। इसमें शामिल अन्य प्रावधानों के अनुसार एग्रीगेटर्स को वाहन की लोकेशन और ट्रैकिंग डिवाइस लगानी होगी। इसका मकसद यात्रा करने वाले लोगों को सुरक्षा प्रदान करना भी है। ट्रैकिंग डिवाइस लगाने का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि उन्हें वाहन की स्थिति की जानकारी मिलती रहे। जिसका राज्य सरकारों के एकीकृत कमांड और कंट्रोल सेंटर से जुड़ा रहना भी जरूरी है। निश्चय ही यह महिला सवारियों की सुरक्षा के मद्देनजर अपरिहार्य कदम है। इसके अलावा ड्राइवरों के हितों का भी ध्यान रखा गया है। उनके लिये बेहतर कमाई का प्रतिशत अनिवार्य किया गया है। उनके पास क्रमशः कम से कम पांच लाख और दस लाख रुपये का स्वास्थ्य और टर्म बीमा होना चाहिए। केंद्र सरकार के इस हालिया प्रयास ने राज्यों के लिये बाइक टैक्सियों को अनुमति देने का रास्ता भी खोल दिया है। निस्संदेह, ये प्रयास जहां अधिक राजस्व पैदा करने का जरिया बन सकता है, वहीं रोजगार सृजनकर्ता भी साबित हो सकता है। देश में जिस तरह बेरोजगारी की समस्या है, उसमें रोजगार के नये क्षेत्र पैदा करना वक्त की जरूरत है। यदि चालकों के लिये बेहतर कार्य परिस्थितियां और सम्मानजनक आय की व्यवस्था हो पाती है तो कई बेरोजगार इस दिशा में पहल कर सकते हैं। लेकिन जरूरी है कि एग्रीगेटर चालकों के साथ मनमानी न कर सकें। हर छोटे-बड़े व्यक्ति को आत्मसम्मान के साथ जीविका उपार्जन का अधिकार है। किसी भी काम को हेय दृष्टि से नहीं देखा जाना चाहिए। कई छात्र बेहतर कैरियर की चाह में अपनी पढ़ाई के खर्च के लिये पार्ट टाइम कार व बाइक टैक्सियां चलाते हैं। उन वाहनों में सफर करने वाले यात्रियों को भी इनके साथ सम्मानजनक ढंग से पेश आना चाहिए। उनके जीवन संघर्ष को हमें संबल देना चाहिए। नये प्रावधानों में राज्य सरकारों को सभी वाहनों, यहां तक कि ऑटो-रिक्शा और बाइक टैक्सियों के लिये भी आधार किराया अधिसूचित करना होगा।

शांति से काम लें और असलियत क़ो समझें

(लेखक- संजय गोस्वामी)

आज विज्ञान का युग इतना बढ़ गया है कि हर तरफ विज्ञान का डंका बजाने वाले देश अब विज्ञान से विनाश की ओर जा रहे हैं आदमी सुबह उठता है रात में आराम करता है बाद में जब घर आता है तो हर तरफ युद्ध का समाचार सुन सुन कर बोर होने लगता है इससे पहले था ब्लैक एंड वाइट टीवी का जिसमें लोग एक चैनल देखते थे और टीवी से खुशी मिलती थी टीवी मनोरंजन हेतु होता है दूसरे देश का युद्ध से हमारा क़ोई लेना देना नहीं है इससे लोग उब चुके है और जब वही चीज बार बार सुनने क़ो मिलता है तो और भी गुस्सा आता है और टीवी क़ो बन्द कर देते है हैरानी की बात यह है कि सभी में एक ही चीज चलता है ख़ासकर इजराइल और ईरान का युद्ध जो यहाँ से बहुत दूर है अब तो छोटे देश अर्मेनीया और रूस का भी समाचार मिल रहा है जबकी बीते 3साल से रूस और यूक्रेन का लागातार युद्ध देख देख कर लोग उब चुके है और देश में चुनाव से लेकर 15 साल पूरानी गाड़ी क़ो दिल्ली में पेट्रोल नहीं मिलेगा रेल में किराया बढ़ गया मस्जिद से लाउडस्पीकर हटाकर मोबाइल पर सुने आजान ये सब तमाम खबरें बकबास नजर आती है क्योंकि उससे आपको क्या मिला हाँ ऐ दिखाया जाए पढ़ाई कैसे की जाए रोजगार कैसे मिले तो सभी के लिए लाभकारी होगा भगवान राम के बारे में कुछ दिखा दो लोगों क़ो शौक नहीं है पुरानी गाड़ी पर चलने का लेकिन उनकी इनकम और खर्ज देखिए और गाड़ी फ्री में तो नहीं मिल रही है धर्म में कौन क्या कर रहा है इससे क्या लेना डेन्स धर्म वास्तव में सही ज्ञान धारण करना है अपने आप क़ो पहचानने का सही संदेश है लोगों का अपना अपना धर्म है और वो कर्म करने का रास्ता बतलाता है और जैसा कर्म करोगे वैसा फल देगा भगवान ऐ गाना भी सुना होगा भगवान श्री राम के बारे में कुछ लोग समझना पसंद करते हैं कुछ नहीं कहते हैं ऐ नया जमाना है समय अब बदल गया है और आज तो न्यूज में ऐ सुनाई देती है कि पती ने पत्नी से तंग आकर आत्महत्या कर लिया और नबी किया है तो हत्या कर दिया गया आदमी की भावना समझना चाहिए एज एक पैसा कितनी मेहनत से कमाता है और जब पानी में बहता देखता है तो स्वभाविक है कि वह तंग हो जायेगा अतः हमें बच्चों में अच्छा संस्कार देना चाहिए टीवी से दूर रख कर पढ़ाई में मेहनत करोगे तभी सफलता हासिल होगी और आगे बढ़ने का मौका मिलेगा और वही देश की सेवा में काम आएगा भगवान राम जैसे पहले दिखते थे वैसे आज भी दिखते हैं लेकिन पहले लोगों में आस्था प्रबल थी इसलिए जब रामानन्द सागर की फ़िल्म रामायण टीवी पर आयी तो पूरा दुकान बन्द और रोड पर रामायण देखने के लिए सब दुकान बन्द कर देते थे जैसे मानी कर्फ़ू लगा है समय भी वही है पहले भी घंटा में 60 मिनट होते थे वो आज भी उतना ही हैं कुछ बदला है तो समय का चक्र और वह किसी का इंतज़ार नहीं करता इसलिए समय नहीं लोग बदल गए हैं जिसे सुधारने की आवश्यकता है पढ़ाई करना साथ साथ मानवता की रक्षा लोगों क़ो मदद करना गरीबों की सेवा करना माता पिता की सेवा करना ही हमारा धर्म है भगवान श्री राम भी यही संदेश दिए हैं और आप इस दुनिया से आखिर लेकर क्या करने जा सकते हैं अपना कर्म माता पिता की सेवा मामवता की रक्षा करना ही आपकी असली पूंजी है जो स्पस्ट रूप से दिखाई तो नहीं देती लेकिन यही सत्य है अतः धन दौलत हीरा जवाहरत ऐ सब आकर्षित करते हैं और समय पर काम भी आते हैं लेकिन कुछ समय के लिए बाद में नस्ट होना तय है लेकिन जो गरीब है उसे भी ईश्वर उसको बचाता है और समय पर काम आता है शरीर क़ो बनाने वाला ही शरीर क़ो ठीक करना जानता है और असंभव क़ो संभव बनाता है प्रभु राम के चरण के स्पर्श मात्र से अहिल्या क्यों जीवित हो गई क्योंकि भगवान राम इतने पवित्र थे और 14 साल पैदल चलने के कारण उनके चरणों में सकारात्मक ऊर्जा निकलती है जो हर दोष क़ो दूर करती है इसलिए अपने क़ो समझने की कोशिश करें भगवान श्रीराम भारतीय संस्कृति और धर्म के आधार स्तंभ माने जाते हैं। उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम इसलिए कहा जाता है क्योंकि उन्होंने अपने पूरे जीवन में धर्म, सत्य, कर्तव्य और मर्यादा का पालन किया। श्रीराम का जीवन केवल एक कथा नहीं, बल्कि एक प्रेरणा है, जिससे हम जीवन में आदर्श व्यवहार, संयम, और सत्य की राह पर चलने की सीख ले सकते हैं।

श्रीराम त्रेतायुग में अयोध्या के राजा दशरथ और माता कौशल्या के पुत्र थे। वे विष्णु के सातवें अवतार माने जाते हैं, जिनका जन्म पृथ्वी से अधर्म और असत्य को समाप्त करने के लिए हुआ था। रामायण में महर्षि वाल्मीकि ने उनके जीवन का विस्तार से वर्णन किया है। राम का जीवन आदर्श पुत्र, आदर्श पति, आदर्श भाई, और आदर्श राजा का उदाहरण है।

श्रीराम के जीवन से हमें कई महत्वपूर्ण बातें सीखने को मिलती हैं। उन्होंने हर परिस्थिति में अपने कर्तव्यों का पालन किया और धर्म के मार्ग से कभी विचलित नहीं हुए। जब पिता दशरथ ने उन्हें 14 वर्षों के लिए वनवास जाने का आदेश दिया, तब उन्होंने बिना किसी प्रश्न के आज्ञा का पालन किया। इससे हमें सिखने को मिलता है कि माता-पिता की आज्ञा का पालन करना हमारे कर्तव्य में शामिल है।

वनवास के दौरान उन्होंने कई कठिनाइयों का सामना किया, लेकिन कभी भी धैर्य नहीं खोया। माता सीता के हरण के बाद भी उन्होंने क्रोध में आकर अनुचित मार्ग नहीं अपनाया, बल्कि धैर्य और रणनीति से कार्य किया। इससे हमें धैर्य और संयम का मूल्य समझने को मिलता है।

(चिंतन- मनन)

शिष्य बना प्रशंसा का पात्र

गंगा किनारे गुरु अभेंद्र का आश्रम था। एक बार कहा - यह थाली दिव्य है। तुम जितना भोजन पीड़ितों की सेवा की है। फिर मोहन की ही प्रशंसा देश में भीषण अकाल पड़ा। गुरु अभेंद्र ने संकटग्रस्तों की मदद के उद्देश्य से अपने तीन शिष्यों को बुलाकर कहा - ऐसे संकट के समय में हमें अकाल पीड़ितों की सेवा करनी चाहिए। तुम लोग अलग-अलग क्षेत्रों में जाकर भूखों को भोजन कराओ। उनकी बात सुनकर शिष्य बोले - गुरुजी, हम इतने सारे लोगों को भोजन कैसे कराएंगे? हमारे पास न तो अन्न भंडार है और न अनाज खरीदने के लिए धन। तब गुरु अभेंद्र ने उन्हें एक थाली देते हुए मांगोगे, यह उतना भोजन उपलब्ध कराएगी। तीनों शिष्य थाली लेकर निकल पड़े। दो शिष्य एक स्थान पर बैठ गए। उधर से जो भी गुजरता, उसे वे भोजन कराते। किंतु तीसरा शिष्य मोहन बैठा नहीं, बल्कि घूम-घूमकर भूखों को खोजता रहा और उन्हें खाना बांटता रहा। कुछ दिनों बाद जब तीनों आश्रम लौटे, तो गुरु ने मोहन की खूब प्रशंसा की। दोनों शिष्यों को यह अजीब लगा।

उन्होंने पूछा - गुरुदेव, हमने भी तो अकाल क्यों गुरु ने उत्तर दिया - तुमने एक ही स्थान पर बैठकर पीड़ितों की सहायता की। ऐसा करने से वे लोग तुम्हारी मदद से वंचित रह गए, जो चलकर तुम्हारे पास आने में असमर्थ थे। जबकि मोहन ने लोगों के पास जा-जाकर उन्हें भोजन कराया। उसकी सहायता अधिकतम लोगों तक पहुंची, इसलिए उसकी सेवा अधिक प्रशंसा के योग्य है। कथा का सार यह है कि वही सेवा अधिक सराहनीय होती है, जो आगे बढ़कर की जाए।

विचार मंथन

बैंक में जमा राशि का पूर्ण बीमा क्यों नहीं, बैंक उपभोक्ताओं से लूट

(लेखक- सनत जैन)

भारतीय बैंकों में करोड़ों लोगों की राशि बचत खाते और एफडी के रूप में जमा है। सरकार ने बैंकों को अब दिवालिया कानून के अंतर्गत ला दिया है। बैंक में ग्राहकों की जमा राशि पर पहले एक लाख, बाद में 2 लाख और अब अधिकतम 5 लाख रुपए तक का बीमा किया जाता है। इस बीमा की वर्तमान पाँच लाख रुपए की सीमा को दस लाख तक करने की चर्चाएँ संसद ओर वित्त मंत्रालय में हो रही हैं। सवाल यह है, कि जब सरकारी बैंकिंग को सबसे सुरक्षित समझा जाता था। अब बैंक दिवालिया कानून की जद में आ गए हैं। बैंकों में जमाकर्ता की पूरी रकम सुरक्षित होनी चाहिए। बैंकों में जो राशि जमा है। बैंक डूबने की स्थिति में जमा करता को बैंक में जमा पूरी राशि वापस मिलनी चाहिए। बैंकों के साथ अनुबंध के तहत नागरिक अपनी जीवनभर की बचत बैंकों को सौंपते हैं। डिपॉजिट इंश्योरेंस योजना 1962 से लागू है। आरंभिक सीमा 1,500रुपए थी। बढ़ते-बढ़ते 1993 में इस राशि को एक लाख और 2020 में 5 लाख किया गया। अब वित्त मंत्रालय इस सीमा को संशोधित करने पर विचार कर रहा है। आँकड़े बताते हैं, कि 97.8 प्रतिशत बैंक खाते पूरी तरह से बीमित हैं। इसके बाद भी कुल जमाराशि का केवल 43.1प्रतिशत राशि ही बीमा के दायरे में आती है। बैंक के खाते भले सुरक्षित लगें, पर ₹500000 से अधिक जमा राशि आज भी जोखिम में है। बीमा का मूल उद्देश्य प्रत्येक जमाकर्ता के धन वापसी की गारंटी होनी चाहिए। बीमित बैंक खाते में ﷺमिनिमम गारंटीﷺ का औचित्य बैंक ग्राहकों के साथ धोखाधड़ी है। बैंकों का जोखिम आम जमाकर्ताओं के कंधों पर क्यों डाला जा रहा है।

मार्च 2024 तक डिपॉजिट इंश्योरेंस फंड में 1,98,753 करोड़ रुपए उपलब्ध थे। वर्ष 2024 मे बैंकों ने 23,879 करोड़ प्रीमियम जमा किया। बीमा दावों का भुगतान केवल 1,432 करोड़ का हुआ। ये आँकड़े दर्शाते हैं, कोष के पास पर्याप्त राशि उपलब्ध है। बैंक यदि दिवालिया होते हैं, तो अनियंत्रित दावों की स्थिति में यह राशि ऊंट के मुंह में जीरे के समान हो सकती है। इसलिए सरकार और बीमा फंड, बैंकों में जमा राशि को एक निश्चित राशि तक ही बीमा से कवर करने की बात करता है। हालिया मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, सरकार 10 लाख या उससे अधिक के विकल्प पर विचार कर रही है। इससे अधिकांश मध्यमवर्गीय खाताधारकों की पूँजी कुछ हद तक सुरक्षित हो जाएगी। मौजूदा निःशुल्क सीमा 10 लाख के ऊपर की राशि के लिए जमाकर्ता को एक ऐड-ऑन कवर की सुविधा दी जानी चाहिए। जैसे वाहन बीमा में ऐक्सेसरी को कवर किया जाता है। पिछले 10 साल से बैंकों में जिनके खाते हैं। उन खाता धारकों से सुनयोजित रूप से लूट की जा रही है। पहले एटीएम पर चार्ज लगाया, फिर बैलेंस, एसएमएस, चेक, मिनिमम बैलेंस एवं तरह-तरह के शुल्क वसूल कर बैंक अपने उपभोक्ताओं का शोषण कर रहा है। जिन लोगों की जमा राशि के ब्याज से उनका मासिक खर्च चलता है। बैंक ब्याज दरें घटती चली जा रही हैं। लोग अपना जरूरी खर्च भी पूरा नहीं कर पा रहे हैं। अब बैंकों में जमा राशि भी सुरक्षित नहीं रही। करोड़ों लोगों की जीवन भर की कमाई बैंकों में जमा है। ऐसी स्थिति में लोगों की चिंता बढ़ रही है। केंद्र सरकार जितने भी नियम कायदे कानून बना रही है, उसमें उपभोक्ताओं के हितों का कोई ध्यान नहीं रखा जा रहा है। केंद्र सरकार बैंकों और कॉर्पोरेट हितों का ध्यान रखते हुए बैंक उपभोक्ताओं को बैंक की कमाई का जरिया बना रही है। आयकर के नियम इस तरीके के बना दिए गए हैं। हर लेन-देन बैंक के माध्यम से होते हैं। एक निश्चित राशि से ज्यादा नगद राशि घर पर नहीं रखी जा सकती है। एक निश्चित राशि से ज्यादा का नगद लेन-देन नहीं हो सकता है। बैंकों में जमा रकम से ऑनलाइन धोखाधड़ी हो रही है। सरकार ने बैंक के उपभोक्ताओं को भगवान के भरोसे छोड़ दिया है। हर साल अरबों रुपए की धोखाधड़ी बैंकों से हो रही है। जिनके खाते से धोखाधडी हुई है, वह साइबर क्राइम ब्रांच, पुलिस और बैंकों के चक्कर लगा रहे हैं। न उन्हें पैसा मिल रहा है। उल्टा उनका पैसा मुकदमेबाजी और शिकायतों में खर्च हो रहा है। बैंक खाते अब लोगों के लिए जी का जंजाल बन रहे हैं। बैंक बिना बताए खाते से राशि काट लेता है। उपभोक्ता अपनी लड़ाई लड़ ही नहीं सकता है। बैंक उपभोक्ताओं की शिकायत सुनते नहीं हैं। बैंकिंग लोकपाल के हाथी के दांत हैं। लोकपाल के पास शिकायत करने के बाद उपभोक्ता के हितों का ध्यान नहीं रखा जाता है। बैंकिंग लोकपाल बैंकों का बनकर रह गया है । रिजर्व बैंक के भी बड़े-बड़े दांत दिखाने के जरूर हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एसएमपीपी को भारतीय सेना ने दिया 300 करोड़ का ठेका

मुंबई।

रक्षा उपकरण विनिर्माता कंपनी एसएमपीपी को भारतीय सेना से 300 करोड़ रुपये के दो ठेके हा सिल हुए हैं। एसएमपीपी ने कहा कि हा सिल किए गए इस ठेके से कंपनी आपात प्रावधान के तहत भारतीय सेना को बुलेटप्रूफ जैकेट और उन्नत बैलिस्टिक हेलमेट की आपूर्ति करेगी। एसएमपीपी भारतीय सेना को 27,700 बुलेटप्रूफ जैकेट और 11,700 उन्नत बैलिस्टिक हेलमेट की आपूर्ति करेगी। एसएमपीपी के एक अ धिकारी ने कहा कि एसएमपीपी भारत में व्यक्तिगत सुरक्षा बाजार में 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी के साथ आगे रहा है, जो अनुसंधान एवं विकास पर इसके अत्यधिक ध्यान से ही संभव हो पाया है। उन्होंने कहा कि कंपनी ने पहले ही 17 से अधिक पेटेंट दाखिल किए हैं और 10 पेटेंट दिए जा चुके हैं। एसएमपीपी रक्षा उपकरणों का स्वदेशी विनिर्माता है। इसकी हरियाणा में एक विनिर्माण सुविधा है।

ब्रिगेड होटल वेंचर्स ने जुटाए 126 करोड़

नई दिल्ली।

ब्रिगेड होटल वेंचर्स लिमिटेड ने अपने पहले आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से पहले 126 करोड़ रुपये जुटा लिए हैं। ब्रिगेड होटल वेंचर्स बेंगलुरु स्थित रियल एस्टेट कंपनी ब्रिगेड एंटरप्राइजेज लिमिटेड की अनुषंगी कंपनी है। कंपनी ने शुक्रवार को बयान जारी कर कहा कि उसने आईपीओ पूर्व निर्गम में 126 करोड़ रुपये जुटाए हैं।' ब्रिगेड होटल ने 360 वन अल्टरनेट्स एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड (360 वन) को 90 रुपये प्रति शेयर के भाव पर 1.4 करोड़ शेयर जारी किए। यह लेनदेन कंपनी की पूर्व-प्रस्ताव शेयर पूंजी का 4.74 प्रतिशत है। आईपीओ दस्तावेज के अनुसार, कंपनी के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) में 900 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी किए जाएंगे। इससे मिली राशि में से कंपनी करीब 480 करोड़ रुपये का उपयोग कर्ज चुकाने और 107 करोड़ रुपये जमीन के अ धिग्रहण के लिए करेगी। बाकी राशि को अन्य कार्यों के लिए रखा जाएगा।

जिंदल स्टील को ओडिशा में मिला रोइडा-1 लौह, मैंगनीज ब्लॉक के लिए खनन पट्टा

नई दिल्ली।

जिंदल स्टील ने ओडिशा में रोइडा-1 लौह अयस्क एवं मैंगनीज ब्लॉक के लिए 50 साल का खनन पट्टा प्राप्त कर लिया है। जिंदल स्टील ने कहा कि कंपनी ने उक्त खनन पट्टे के अनुदान के लिए ओडिशा सरकार से आशय पत्र (एलओआई) हासिल कर लिया है। बयान के अनुसार 104.84 हेक्टेयर में फैला यह खनिज संसाधन जिंदल स्टील की कच्चे माल की सुरक्षा को बढ़ाता है। साथ ही भारत के खनिज समृद्ध पूर्वी गलियारे में एकीकृत और टिकाऊ इस्पात उत्पादन के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। जिंदल स्टील के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने कहा कि यह खनन पट्टा आत्मनिर्भर इस्पात उत्पादन के हमारे दीर्घकालिक दृष्टिकोण के लिए महत्वपूर्ण है। रोइडा-ढ्ढ ब्लॉक के साथ, हम अपने लौह अयस्क एवं मैंगनीज आपूर्ति आधार को महत्वपूर्ण रूप से मजबूत कर रहे हैं, जो परिचालन स्थिरता, लागत दक्षता सुनिश्चित करेगा व हमारी विकास योजनाओं का समर्थन करेगा।

रिलायंस इंडस्ट्रीज 15 से अधिक प्रोडक्ट्स को मिलाकर नई कंपनी तैयार करेगी

न्यू रिलायंस कंज्यूमर प्रॉडक्ट्स लिमिटेड 8.5 लाख करोड़ से ज्यादा वैल्युएशन पर आईपीओ लाएगी

मुंबई।

मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज अपने एफएमसीजी कारोबार को नए सिरे से संगठित करने की तैयारी कर रही है।

कंपनी अपने लोकप्रिय उपभोक्ता ब्रांड्स जैसे कैंपा कोला, इंडिपेंडेंस और अन्य 15 से अधिक प्रोडक्ट्स को मिलाकर एक नई इकाई - न्यू रिलायंस कंज्यूमर प्रॉडक्ट्स लिमिटेड (एनआरसीएल) बनाने पर ` विचार कर रही है। यह कंपनी रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड से अलग होकर सीधे रिलायंस इंडस्ट्रीज के अंतर्गत काम करेगी, ठीक उसी तरह जैसे जियो संचालित होती है। इस कदम का उद्देश्य एफएमसीजी सेगमेंट पर विशेष ध्यान केंद्रित करना और उन निवेशकों को आकर्षित करना है, जो इस सेक्टर में दिलचस्पी रखते हैं। रिलायंस रिटेल वेंचर्स की मौजूदा वैल्यूएशन 8.5 लाख करोड़ से अधिक है और यदि एनआरसीएल का आईपीओ लॉन्च होता है, तो यह भारत के सबसे बड़े सार्वजनिक निर्गमों में से एक बन सकता है। एनआरसीएल का बिजनेस मॉडल आक्रामक होगा। कंपनी अपने प्रोडक्ट्स को स्थापित ब्रांड्स जैसे कोका-कोला और हिंदुस्तान यूनिलीवर की तुलना में 20-40 फीसदी कम कीमत पर बेचेगी। साथ ही रिटेलर्स को अधिक मार्जिन प्रदान कर तेज वितरण नेटवर्क खड़ा करेगी। हाल ही में एनसीएलटी से इस रीस्ट्रक्चरिंग को मंजूरी मिल चुकी है। यह कदम रिलायंस को टाटा, आईटीसी और रेमंड जैसी कंपनियों की रणनीति की राह पर आगे बढ़ने में मदद करेगा, जिन्होंने अपने विभिन्न बिजनेस यूनिट्स को अलग-अलग लिस्ट कर उनकी वास्तविक वैल्यू सामने लाई है।

भारत-अमेरिका के बीच मिनी ट्रेड डील की तैयारी

कृषि क्षेत्र पर नहीं बनेगी सहमति

नई दिल्ली।

भारत और अमेरिका के बीच 9 जुलाई से पहले एक मिनी ट्रेड डील की घोषणा की जा सकती है। यह डील दोनों देशों के बीच प्रस्तावित 43 लाख करोड़ रुपए के द्विपक्षीय व्यापार समझौते की दिशा में पहला कदम मानी जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार डील को अंतिम रूप देने के लिए दोनों देशों के बीच कई मुद्दों पर सहमति बन चुकी है, हालांकि सभी शर्तों का खुलासा अभी संभव नहीं है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत ने अमेरिका को अपने कृषि क्षेत्र में प्रवेश की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। अमेरिका लंबे समय से भारत में जेनेटिकली मॉडिफाइड फसलों के लिए बाजार की मांग कर रहा था, जिसे भारत ने ठुकरा दिया। भारत का तर्क है कि देश की 60 फीसदी आबादी कृषि पर निर्भर है, इसलिए इस क्षेत्र को विदेशी हस्तक्षेप से सुरक्षित रखना जरूरी है। अमेरिका ने भी फिलहाल इस मुद्दे पर दबाव न डालने का फैसला किया है। दूसरी ओर, भारत ने अमेरिका से एनर्जी और डिफेंस उत्पादों की खरीद शुरू कर दी है ताकि व्यापार संतुलन बना रहे। साथ ही भारत सरकार ने अमेरिकी मोटरसाइकिल और व्हिस्की पर आयात शुल्क कम करने की भी घोषणा की है। जानकारों का मानना है कि इस मिनी डील के बाद आने वाले तीन वर्षों में भारत-अमेरिका व्यापार में वास्तविक बदलाव दिखने लगेंगे। यह समझौता दोनों देशों के लिए रणनीतिक दृष्टि से अहम है और इसके जरिए वैश्विक व्यापार में एक नया समीकरण बन सकता है।

शेयर बाजार बढ़त पर बंद

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आई है। आज सुबह बाजार की शुरुआत तेजी के साथ हुई पर बीच में उसमें गिरावट आने लगी हालांकि अंत में खरीदीदारी से बाजार में उछाल आया और ये हरे निशान पर बंद हुआ। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 193.42 अंक बढ़कर 83,432.89 अंकों पर बंद हुआ।

इसी तरह 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी 55.70 अंकों के उछाल के साथ ही 25,461.00 अंकों पर बंद हुआ।

आज सेंसेक्स की 30 में से 20 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए, जबकि बाकी की 10 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ ही लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह निफ्टी की 50 में से 31 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ उछला के साथ बंद हुए। वहीं 19 कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ लाल निशान में बंद हुए।

आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल बजाज फाइनेंस के शेयर सबसे ज्यादा 1.60 फीसदी ऊपर आये जबकि टाटा ग्रुप के ट्रेंट के शेयर आज सबसे ज्यादा 11.93

फीसदी गिरे। सेंसेक्स की अन्य कंपनियों में आज इंफोसिस के शेयर 1.38 फीसदी , हिंदुस्तान यूनिलीवर 1.19फीसदी , आईसीआईसीआई बैंक 1.14 फीसदी , एचसीएल टेक 0.92 फीसदी , अल्ट्राटेक सीमेंट 0.81 फीसदी , बजाज फिनसर्व 0.68 फीसदी , एसबीआई 0.59 फीसदी , टीसीएस 0.57 फीसदी , रिलायंस इंडस्ट्रीज 0.56 फीसदी , एक्सिस बैंक 0.50 फीसदी , एचडीएफसी बैंक 0.38 फीसदी , एलएंडटी 0.35 फीसदी , बीईएल 0.33 फीसदी , एनटीपीसी 0.21 फीसदी , टाइटन 0.17 फीसदी बढ़कर बंद हुए।

वहीं टाटा स्टील के शेयरों में 1.72 फीसदी , टेक महिंद्रा 1.13 फीसदी , मारुति सुजुकी 0.87 फीसदी , अडाणी पोर्ट्स 0.42 फीसदी , महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.34 फीसदी , आईटीसी 0.24 फीसदी के अलावा टाटा मोटर्स के शेयरों में 0.21 फीसदी की गिरावट रही। इससे पहले आज सुबह बाजार में हल्की तेजी रही है। सेंसेक्स 67 अंकों की बढ़त के साथ 83,307 के स्तर पर कारोबार करता दिखा, जबकि निफ्टी 13 अंकों की तेजी के साथ 25,418 पर पहुंच गया। आज सुबह बैंकिंग, मेटल और रियल्टी शेयरों में बिकवाली का दबाव देखने को मिला, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में गिरावट दर्ज की गई। निवेशकों की नजर इस खबर पर थी कि अमेरिका और भारत के बीच व्यापार समझौता जल्द हो सकता है, जिससे अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा 9 जुलाई से लागू किए जाने वाले टैरिफ से राहत मिल सकती है।

लंबी गिरावट के बाद स्प्राइट एग्रो के शेयर में दो दिनों से लग रहा अपर सर्किट

मुंबई।

एक समय निवेशकों को करोड़पति बनाने वाला ` स्प्राइट एग्रो का शेयर अब फिर से चर्चा में है। एक लंबी गिरावट के बाद इस शेयर में बीते दो दिनों से 5-5 फीसदी अपर सर्किट लग रहे हैं। गुरुवार को यह शेयर 3.25 रुपए पर बंद हुआ। शुक्रवार को भी इस शेयर में अपर सर्किट लगा है। कंपनी ने हाल ही में एक्सचेंज को जानकारी दी कि उसने 102 करोड़ का एग्री कमोडिटी ऑर्डर पूरा कर लिया है। इससे पहले भी कंपनी कुल 299 करोड़ मूल्य के ऑर्डर पूरे कर चुकी है। इन खबरों से निवेशकों का कुछ भरोसा फिर लौटता नजर आ रहा है। ` स्प्राइट एग्रो के शेयर ने एक साल में निवेशकों को करोड़पति बना दिया था। 18 अगस्त 2023 को यह शेयर महज 0.33 पर था। ठीक एक साल बाद 9 अगस्त 2024 को यह 44.66 तक पहुंच गया। इस दौरान इसने निवेशकों को 13,435 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दिया। अगस्त 2024 के बाद शेयर में जबरदस्त गिरावट शुरू हो गई। 1 जुलाई 2025 को यह गिरकर 2.93 पर पहुंच गया था यानी ऑल टाइम हाई से अब तक यह शेयर 90 फीसदी से ज्यादा गिर चुका है।

सोने में हल्की तेजी, चांदी की कीमतों में गिरावट

सोने के भाव 96,800 रुपए, चांदी लगभग 1,07,900 रुपए प्रति किलो

नई दिल्ली।

सोने और चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत शुक्रवार को सुस्ती के साथ हुई। लेकिन बाद में सोने के भाव सुधर गए। सोने के भाव 96,800 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,07,900 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 47 रुपये की गिरावट के साथ 96,735 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 96,782 रुपये था। इस समय यह 52 रुपये की तेजी के साथ 96,834 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 96,840 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 96,735 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। सोने के वायदा भाव ने इस साल 1,01078 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 400 रुपये की गिरावट के साथ 1,07,836 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,08,236 रुपये था। इस समय यह 316 रुपये की गिरावट के साथ 1,07,920 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,07,920 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,07,836 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। चांदी के वायदा भाव ने इस साल 1,09,748 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत नरमी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 3,335 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,342.90 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 4.30 डॉलर की गिरावट के साथ 3,338.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर

कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव ने इस साल 3,509.90 डॉलर के भाव पर ऑल टाइम हाई छू लिया है। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 37.05 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 37.08 डॉलर था। इस समय यह 0.22 डॉलर की गिरावट के साथ 36.86 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

एसबीआई ने आरकॉम का लोन अकाउंट फ्रॉड घोषित किया

अनिल अंबानी ने फैसले को बताया पक्षपातपूर्ण

नई दिल्ली।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड (आरकॉम) के लोन खाते को फ्रॉड बता ` दिया है। यह फैसला हाल ही में बैंक की फ्रॉड इन्वेस्टिगेशन कमेटी की रिपोर्ट के बाद लिया गया। एसबीआई का आरोप है कि कंपनी ने लोन की राशि का दुरुपयोग किया और फंड को रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड (आरटीएल) और समूह की अन्य कंपनियों में डायवर्ट किया गया। साथ ही कंपनी ने लोन की शर्तों का भी उल्लंघन किया। बैंक अब आरकॉम के पूर्व निदेशक अनिल अंबानी का नाम रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया को रिपोर्ट करने की प्रक्रिया में है, जिससे उनकी अन्य वित्तीय गतिविधियों पर प्रभाव पड़ सकता है। इस घटनाक्रम से टेलीकॉम सेक्टर में एक नई कंट्रोवर्सी शुरू हो गई है। वहीं अनिल अंबानी ने एसबीआई को पत्र लिखकर इस निर्णय पर कड़ा ऐतराज जताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि बैंक ने यह फैसला बिना किसी ठोस सबूत और उचित प्रक्रिया के लिया है। उनके अनुसार, उन्हें या कंपनी को व्यक्तिगत रूप से सुनवाई का अवसर नहीं दिया गया, जो न्यायसंगत प्रक्रिया का उल्लंघन है। उन्होंने यह भी कहा कि एसबीआई ने सुप्रीम कोर्ट, बॉम्बे हाईकोर्ट और आरबीआई के दिशा-निर्देशों की अनदेखी की है।

चीन से आयात पर निर्भरता घटाने केमिकल फंड की जरूरतः नीति आयोग

मुंबई।

रसायन के क्षेत्र में भारत की आयात पर बहुत अधिक निर्भरता पर रोक लगाने के लिए नीति आयोग ने वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं (जीवीसी) में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए 8 प्रमुख बंदरगाह आधारित क्लस्टर बनाने, रसायन क्षेत्र में सहायता के लिए एक केमिकल फंड बनाने और विभिन्न सब्सिडी देने का सुझाव दिया है। भारत रसायनों का प्रमुख निर्यातक है, लेकिन भारी आयात पर भी निर्भर है। केंद्र के नीति से जुड़े थिंक टैंक के मुताबिक इसकी वजह से 2023 में इस सेक्टर में 31 अरब डॉलर का व्यापार घाटा हुआ है। इसमें यह भी कहा गया है कि भारत की केमिकल जीवीसी में मौजूदा हिस्सेदारी अभी 3.5 प्रतिशत है। भारत के करीब 34 प्रतिशत रसायनों का आयात चीन से होता है, जिसका कुल व्यापार घाटा 29 अरब डॉलर है। नीति आयोग ने कहा कि राजकोषीय और गैर-राजकोषीय हस्तक्षेपों की एक व्यापक श्रृंखला वाले लक्षित सुधारों से भारत को 1 लाख करोड़ डॉलर का रासायनिक क्षेत्र बनाने और 2040 तक जीवीसी में 12 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल

करने में मदद मिलेगी, जिससे वह एक वैश्विक रासायनिक महाशक्ति बन जाएगा। इसमें उम्मीद जताई गई है कि 2030 तक भारत का रसायन के क्षेत्र व्यापार घाटा शून्य हो जाएगा। नीति आयोग के मुख्य कार्याधिकारी और पूर्व वाणिज्य सचिव बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने रिपोर्ट जारी करते हुए कहा ` कि दुनिया की आर्थिक और भू-राजनीतिक स्थिति को देखते हुए भारत इस समय आदर्श स्थिति में है। भारत अच्छी स्थिति में है। हम बिल्कुल सही जगह पर हैं।

पॉपुलर रियलमी 15 सीरीज भारत में होंगे लॉन्च

नई दिल्ली।

चाइनीज कंपनी रियलमी ने अपनी पॉपुलर रियलमी 15 सीरीज भारत में लॉन्च करने का ऐलान किया है। स्मार्टफोन की इस सीरीज में रियलमी 15 प्रो 5जी और रियलमी 15 5जी शामिल होंगे। रियलमी 15 प्रो को कंपनी ने अपना सबसे एडवांस एआई पार्टी फोन बताया है। फोन में ऐसी एआई तकनीक दी गई है जो कंसर्ट, डांस फ्लोर या घर की पार्टी की लाइटिंग को पहचानकर कैमरा सेटिंग्स को ऑटोमैटिक एडजस्ट करती है। इससे फोटो और वीडियो धुंधले नहीं होते और रंग ज्यादा जीवंत नजर आते हैं। शटर स्पीड, कंट्रास्ट और सेचुरेशन जैसे पैरामीटर रियल टाइम में बदलते हैं ताकि हर पार्टी मोमेंट साफ और यादगार बने। रियलमी 15 प्रो और रियलमी 15 5 जीदोनों फोन में कई शानदार फीचर्स होंगे। इनमें 50 एमपी या उससे ज्यादा रेजोल्यूशन वाला एआई कैमरा होगा जो खासतौर पर पार्टी लाइटिंग में शानदार फोटो ले सकेगा। 5जी सपोर्ट से यूजर को तेज इंटरनेट स्पीड मिलेगी जिससे वीडियो स्ट्रीमिंग और गेमिंग में कोई रुकावट नहीं आएगी। फोन में 6.7 इंच का अमोलेड डिस्प्ले होगा जो 120 एचझेड रिफ्रेश रेट देगा, जिससे यूजर को स्मूद एक्सपीरियंस मिलेगा। इसमें मीडियाटेक डाइमेंसिटी 7300 या बेहतर प्रोसेसर होगा जो गेमिंग और मल्टीटास्किंग के लिए उपयुक्त है। 5000 एमएएच से ज्यादा की बैटरी और फास्ट चार्जिंग सपोर्ट इसकी बड़ी खासियत है। कीमत की बात करें तो रियलमी 15 5जी की कीमत लगभग 20,000 रुपये से शुरू हो सकती है, जबकि रियलमी 15 प्रो 5जी करीब 25,000 रुपये में मिल सकता है। फोन का डिज़ाइन स्टाइलिश और हल्का रखा गया है ताकि यह युवाओं को आकर्षित कर सके। इसकी सटीक लॉन्च डेट तो नहीं बताई गई है, लेकिन संभावना है कि यह जुलाई 2025 के पहले हफ्ते में बिक्री के लिए उपलब्ध होगा।

भारत की 14 प्रमुख कार कंपनियों ने बेचीं कुल 43,20,696 कारें

नई दिल्ली।

भारत की 14 प्रमुख कार कंपनियों ने वित्त वर्ष 2025 में कुल 43,20,696 कारें बेचीं। इन कारों में पेट्रोल, डीजल और सीएनजी गाड़ियों का दबदबा रहा। सबसे ज्यादा पेट्रोल गाड़ियां बिकीं, जिनकी बिक्री 24,84,331 यूनिट रही और इसका मार्केट शेयर 57.5प्रतिशत रहा। पेट्रोल कारों की लोकप्रियता का कारण इनकी कीमत, हर बजट में मौजूद विकल्प, आसान मेंटेनेंस और भरोसेमंद इंजन हैं। मारुति सुजुकी ने सबसे ज्यादा 11,48,363 पेट्रोल कारें बेचीं और इस सेगमेंट में अपनी मजबूत पकड़ साबित की। दूसरी ओर, सीएनजी कारों की मांग ने डीजल को पीछे छोड़ दिया। कम खर्च और खासकर शहरों में बढ़ती मांग की वजह से सीएनजी गाड़ियों की बिक्री 8,38,546 यूनिट तक पहुंच गई, जो कुल बिक्री का 19.4प्रतिशत हिस्सा रही। इसमें मारुति सुजुकी ने 5,91,730 यूनिट्स बेचकर सबसे आगे रही, जबकि टाटा, हुंडई और टोयोटा भी इस सेगमेंट में मौजूद रहे। डीजल गाड़ियों की लोकप्रियता हालांकि घटी है, लेकिन एसयूवी सेगमेंट में इनका वजूद बरकरार है। वित्त वर्ष 2025 में 7,73,303 डीजल गाड़ियां बिकीं और इसका मार्केट शेयर 18प्रतिशत रहा। महिंद्रा ने 4,25,329 यूनिट्स बेचकर डीजल सेगमेंट में अपनी मजबूत स्थिति बनाई। ईवी की कुल बिक्री 1,15,716 यूनिट रही, जो 2.7प्रतिशत मार्केट शेयर है, जिसमें टाटा मोटर्स सबसे आगे रही। वहीं हाइब्रिड गाड़ियों की बिक्री 1,04,800 यूनिट्स तक सीमित रही और इनका मार्केट शेयर 2.4 प्रतिशत रहा। कीमत ज्यादा और माइलेज फायदा सीमित होने के कारण डिमांड कम रही। इस सेगमेंट में टोयोटा ने 82,848 गाड़ियां बेचकर सबसे बड़ी हिस्सेदारी हासिल की, जबकि मारुति और होंडा भी इसमें शामिल हैं। बता दें कि इलेक्ट्रिक गाड़ियों की बिक्री में भी बढ़ोतरी हुई है। सरकार की सब्सिडी और चार्जिंग नेटवर्क के विस्तार से ईवी बाजार धीरे-धीरे रफ्तार पकड़ रहा है।

सेबी ने जाने स्ट्रीट पर लगाया हेराफेरी का आरोप

4,844 करोड़ रुपए लौटाने का आदेश

मुंबई।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अमेरिका की ट्रेडिंग फर्म जाने स्ट्रीट को भारतीय शेयर बाजार में ट्रेडिंग से प्रतिबंधित कर दिया है। सेबी का आरोप है कि यह फर्म बाजार में हेराफेरी कर गैरकानूनी तरीके से मुनाफा कमा रही थी। सेबी ने एक अंतरिम आदेश में जाने स्ट्रीट को 4,844 करोड़ रुपये की अवैध कमाई लौटाने का भी निर्देश दिया है। सेबी के एक पूर्णकालिक सदस्य ने 105 पेज के आदेश में लिखा है कि इस मामले के तथ्यों को देखते हुए तत्काल रोक के आदेश जरूरी हैं। जब तक जांच पूरी नहीं होती और उससे जुड़े मामले निपट नहीं जाते, सभी एक्सचेंजों को जेएस ग्रुप की सभी गतिविधियों पर लगातार नजर रखनी होगी, ताकि यह फर्म भविष्य में हेराफेरी न कर सके। सेबी के मुताबिक जाने स्ट्रीट का तरीका कुछ इस तरह था ` कि कंपनी पहले ऑप्शंस सेगमेंट में आक्रामक पोजिशन बनाती थी और फिर शेयर बाजार में बड़ी खरीदारी करके दाम को प्रभावित करती थी। खासकर साप्ताहिक इंडेक्स ऑप्शन की एक्सपायरी वाले दिनों में, जब कैश और फ्यूचर्स सेगमेंट में ट्रेडिंग कम होती है, उस वक्त यह कंपनी भारी ट्रेडिंग करके इंडेक्स को अपनी दिशा में मोड़ देती थी और ऑप्शंस में मोटा मुनाफा कमाती थी। जांच में पाया गया कि कंपनी ने बैंक ` निफ्टी के 12 स्टॉक्स और उनके फ्यूचर्स में भारी खरीदारी की, जिससे इन शेयरों के दाम ऊपर गए और कंपनी ने ऑप्शंस में बड़ी पोजिशन बनाकर मोटा फायदा उठाया। सेबी के अनुसार जाने स्ट्रीट ने बैंक निफ्टी से जुड़े शेयरों में असामान्य रूप से अधिक संख्या में बाय ऑर्डर दिए, जो आखिरी सौदे की कीमत के बराबर या उससे ऊपर थे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

डब्ल्यूटीसी मुकाबलों में 2000 रन और 100 विकेट लेने वाले खिलाड़ी बने जडेजा

नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट टीम इंडिया के अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में अपनी 89 रनों की पारी के साथ ही एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। अब जडेजा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) मुकाबलों में 2000 रन और 100 विकेट लेने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। जडेजा के अलावा किसी भी अन्य खिलाड़ी के नाम ये रिकार्ड नहीं है। जडेजा के अब डब्ल्यूटीसी में 2010 रन हो गए हैं, वहीं इस दौरान उन्होंने 132 विकेट भी लिए हैं। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स के पास रवींद्र जडेजा की बराबरी करने का मौका होगा। स्टोक्स के नाम 2000 से अधिक रन पर वह विकेटों के मामले में पीछे हैं। उनके अभी तक खेले 55 मैचों में 3365 रन के साथ ही 86 विकेट हैं। वहीं जडेजा ने 41 मैचों में ही 2000 रन और 100 विकेट लेने का करिश्मा किया है।जडेजा ने दूसरे टेस्ट में तब जबरदस्त अर्धशतकीय पारी खेली जब टीम ने 211 के स्कोर पर ही 5 विकेट गंवा दिये थे। जडेजा की कप्तान शुभमन गिल के साथ 203 रनों की साझेदारी से ही भारतीय टीम 500 से अधिक रन बनाने में सफल रही।

भारतीय फुटबॉल टीम की मुश्किलें बढ़ी , नये कोच ने भी पद छोड़ा

नई दिल्ली।

भारतीय फुटबॉल टीम टीम की मुश्किलें बढ़ गयी है। टीम के नये कोच मनोलो मार्केज ने भी अपना पद छोड़ दिया है। मार्केज ने एक साल से भी कम समय में अपना पद छोड़ दिया।

उन्हें पिछले साल अगस्त में इगोर स्टिमैक के पद छोड़ने के बाद कोच बनाया गया था। मार्केज ने अखिल भारतीय फुटबॉल संघ (एआईएफएफ) के साथ आपसी सहमति से पद छोड़ा है। वहीं पिछले साल टीम के खराब प्रदर्शन को देखते हुए स्टिमैक को राष्ट्रीय संघ ने कोच पद से हटा दिया था। मार्केज को एआईएफएफ ने उन्हें तीन साल के लिए राष्ट्रीय टीम का कोच बनाया था पर अचानक ही उनके इस्तीफे से साफ है कि एआईएफएफ में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा। वहीं एआईएफएफ के उप महासचिव के सत्यनारायण ने कहा है कि, एआईएफएफ और मनोलो ने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है। साथ ही कहा कि एआईएफएफ जल्द ही नया मुख्य कोच नियुक्त करेगा। वहीं सवाल ये भी उठता है कि जिस प्रकार से कम समय के अंतराल में कोच हटाये जा रहे हैं उससे भारतीय टीम कैसे आगे बढ़ेगी। उनकी कोचिंग में भारतीय टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। टीम ने उनके नेतृत्व में 8 मैच खेले, जिनमें से सिर्फ एक में जीत हासिल की।

यह जीत भी एक मैत्री मैच में मार्च 2025 में मालदीव के खिलाफ दर्ज की गई थी, जिसे भारत ने 3-0 से जीता था। सबसे ताजा झटका 10 जून को लगा, जब भारत को हांगकांग के खिलाफ 2027 एएफसी एशिया कप क्वालीफायर मुकाबले में 0-1 से हार का सामना करना पड़ा।

मारक्वेज की कोचिंग में भारत की फीफा रैंकिंग में भी जबरदस्त गिरावट देखने को मिली है। जुलाई 2023 में भारत 99वें स्थान पर था, लेकिन अब 127वें स्थान तक फिसल चुका है। नवंबर 2023 के बाद से भारतीय टीम ने कोई भी मैच नहीं जीता है। गौरतलब है कि मारक्वेज को स्टीमैक की जगह लाया गया था। स्टीमैक की कोचिंग में भारत ने कुवैत के खिलाफ आखिरी जीत दर्ज की थी।

भारत ने 2036 ओलंपिक मेजबानी के लिए दावेदारी पेश की

नई दिल्ली।

भारत ने 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए दावेदारी पेश की है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने स्विट्जरलैंड के लूजान में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अधिकारियों से मुलाकात कर आधिकारिक तौर पर ओलंपिक मेजबानी का दावा किया। भारतीय ओलंपिक संघ ने पिछले काफी समय से कहा है कि वह ओलंपिक का आयोजन करना चाहता है और उसके लिए प्रयास कर रहा है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल में भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी ऊषा के अलावा केंद्रीय खेल मंत्रालय और गुजरात सरकार के प्रतिनिधि शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने औपचारिक तौर पर मेजबान शहर के तौर पर अहमदाबाद के नाम की दावेदारी की। ऐसा पहली बार हुआ है जब भारत ने आईओसी के सामने आधिकारिक तौर पर मेजबान सिटी के तौर पर अपने किसी शहर का नाम दिया है। साल 2032 का ओलंपिक खेल ब्रिसबेन में होना है इसलिए भारत ने 2036 ओलंपिक के लिए दावेदारी की है।

भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष ऊषा ने कहा है, भारत में ओलंपिक खेल का होना न सिर्फ एक भव्य आयोजन होगा बल्कि उसका सभी भारतीयों पर ऐसा प्रभाव पड़ेगा जो पीढ़ियों में कभी कभार पड़ता है। उषा ने लूजान में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के अधिकारियों के साथ भारतीय प्रतिनिधिमंडल की बैठक की तस्वीर को सोशल मीडिया पर साझा भी किया है। उन्होंने कहा कि बातचीत काफी अच्छी रही है।

वेस्टइंडीज ने ऑस्ट्रेलिया को दूसरे टेस्ट मैच में 286 रनों पर समेटा

ख्वाजा ने पूरे किये 6000

सेंट जॉर्ज।

अल्जारी जोसेफ की शानदार गेंदबाजी से वेस्टइंडीज ने ऑस्ट्रेलिया को दूसरे टेस्ट मैच में 286 रनों पर ही आउट कर दिया। इस मैच में मेहमान टीम ऑस्ट्रेलिया की ओर से केवल एलेक्स कैरी और बीयू वेबस्टर ही अर्धशतक लगा पाये। वहीं सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने इस मैच में 16 रन बनाने के साथ ही टेस्ट क्रिकेट में अपने 6000 रन पूरे कर लिए। वे ऐसा करने वाले ऑस्ट्रेलिया के 16वें बल्लेबाज हैं। ख्वाजा ने 83 टेस्ट की 149 पारियों में से रन बनाये हैं। वहीं स्टीव स्मिथ केवल 3 रन ही बना पाये। बारिश से बाधित इस मैच में मेजबान गेंदबाज हावी रहे। अल्जारी ने 16 ओवर में 61 रन देकर 4 विकेट लिए। वहीं जेडन सील्स ने दो विकेट हासिल किये जबकि शमार जोसेफ, एंडरसन फिलिप और जस्टनी ग्रीव्स को एक-एक विकेट मिला। बारिश से प्रभावित इस मैच में ऑस्ट्रेलियाई शीर्ष बल्लेबजा विफल रहे। सलामी बल्लेबाज ओपनर सैम कांस्टास ने 25, उस्मान ख्वाजा ने 16 और कैमरन ग्रीन ने 26 रन बनाए। वहीं ट्रैविस हेड ने 29 रन बनाये। छठे नंबर पर उतरे बीयू वेबस्टर ने 60 रन की पारी खेलकर पारी संभाली। सातवें नंबर के उतरे एलेक्स कैरी ने 63 रन बनाये। इननों ने छठे विकेट के लिए 112 रन की साझेदारी कर ऑस्ट्रेलिया को 200 रन के पार पहुंचाया। कप्तान पैट कमिंस ने भी 17 रन जबकि. नाथन लायन ने 11 और जोश हेजलवुड ने 10 रन बनाए।

राष्ट्रपति ने डूरंड कप फुटबॉल 2025 ट्रॉफी का अनावरण करने के साथ ही खेलों का महत्व बताया

अनुशासन, संकल्प और टीम भावना को मिलता है बढ़ावा

नई दिल्ली।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज एक भव्य समारोह में डूरंड कप फुटबॉल प्रतियोगिता 2025 की ट्रॉफियों का अनावरण किया। राष्ट्रपति ने इस दौरान खेलों के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि इससे अनुशासन, संकल्प और टीम भावना को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने कहा कि खेलों में लोगों, क्षेत्रों और देशों को जोड़ने की ताकत है। इसी कारण हम इसे राष्ट्रीय एकीकरण का भी एक साधन मानते हैं। इसी कारण ओलंपिक या किसी भी अंतरराष्ट्रीय आयोजन में जब तिरंगा फहराया जाता है तो सभी नागरिक रोमांचित हो जाते हैं।

राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, डूरंड कप जैसे आयोजन न केवल खेल भावना को बढ़ावा देते हैं बल्कि इससे फुटबॉल खिलाड़ियों की अगली पीढ़ी को विकसित करने के लिए भी एक मंच मिलता है। जिसपर खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन कर आगे बढ़ते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि फुटबॉल का लाखों लोगों के दिलों में एक विशेष स्थान है। यह सिर्फ एक खेल नहीं है; यह एक जुनून है। फुटबॉल का खेल रणनीति, धैर्य और एक साझा लक्ष्य की ओर मिलकर काम करने के बारे में बताता है।

डूरंड कप का 2025 संस्करण इसी माह 15 जुलाई से 23 अगस्त तक पांच राज्यों - पश्चिम बंगाल, असम, मणिपुर, मेघालय और झारखंड के छह स्थानों पर खेला जाएगा। असम के कोकराझार में लगातार तीसरे साल डूरंड कप होने जा रहा है । इस टूर्नामेंट ने 2019 में अपना घरेलू मैदान नई दिल्ली से कोलकाता में स्थानांतरित कर दिया था और लगातार छठे संस्करण के लिए यह बना रहेगा। डूरंड कप ने देश की प्रमुख प्रतियोगिता के रूप में स्थापित कर लिया है, तथा इसमें भाग लेने वाली टीमों की संख्या 16 से बढ़कर 24 हो गई है, जिसमें सभी इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) टीमों की भागीदारी भी शामिल है। यह टूर्नामेंट इस मायने में खास है कि इसमें सेना की टीमें भारत के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉल क्लबों के खिलाफ मुकाबला करती हैं और पिछले कुछ संस्करणों में पड़ोसी देशों की सेना टीमों के साथ विदेशी भागीदारी भी देखी गई है।

संक्षिप्त समाचार

टेस्ट में शुभमन बने सबसे बड़ी पारी खेलने वाले कप्तान

एकदिवसीय में सहवाग और टी20 में रोहित के नाम है रिकार्ड

मुम्बई। भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ एजबेस्टन टेस्ट में 269 रनों की लंबी पारी खेलने के साथ ही कई रिकॉर्ड अपने नाम किये हैं। इससे पहले ये रिकार्ड पूर्व कप्तान विराट कोहली के नाम था। विराट ने साल 2019 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नाबाद 254 रन बनाकर यह रिकॉर्ड बनाया था। अब 6 साल बाद शुभमन ने इस रिकॉर्ड को तोड़ा है। दिया है। अब गिल टेस्ट क्रिकेट में भारत के लिए बतौर कप्तान सबसे बड़ी पारी खेलने वाले खिलाड़ी हैं। वहीं टी20 में सबसे बड़ी पारी खेलने का रिकार्ड पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के नाम है। रोहित ने साल 2024 टी20 विश्वकप में अफगानिस्तान के खिलाफ बेंगलुरु में हुए एक टी20 मैच में 121 रनों की नाबाद पारी खेली थी। तब उन्होंने 69 गेंदों पर 11 चौके और 8 छक्के लगाए थे। वहीं एक दिवसीय में वीरेंद्र सहवाग सबसे अधिक रनों के मामले में शीर्ष पर हैं। सहवाग ने 12 एकदिवसीय मैचों में भारतीय टीम की कप्तानी की है। इस दौरान उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ 2011 में हुए एकदिवसीय मुकाबले में 219 रन बनाये थे। वह सचिन तेंदुलकर के बाद एकदिवसीयक्रिकेट में दोहरा शतक लगाने वाले विश्व के मात्र दूसरे खिलाड़ी हैं।

भारत ने 2036 ओलंपिक मेजबानी के लिए दावेदारी पेश की

नई दिल्ली। भारत ने 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए दावेदारी पेश की है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने स्विट्जरलैंड के लूजान में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अधिकारियों से मुलाकात कर आधिकारिक तौर पर ओलंपिक मेजबानी का दावा किया। भारतीय ओलंपिक संघ ने पिछले काफी समय से कहा है कि वह ओलंपिक का आयोजन करना चाहता है और उसके लिए प्रयास कर रहा है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल में भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी ऊषा के अलावा केंद्रीय खेल मंत्रालय और गुजरात सरकार के प्रतिनिधि शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने औपचारिक तौर पर मेजबान शहर के तौर पर अहमदाबाद के नाम की दावेदारी की। ऐसा पहली बार हुआ है जब भारत ने आईओसी के सामने आधिकारिक तौर पर मेजबान सिटी के तौर पर अपने किसी शहर का नाम दिया है। साल 2032 का ओलंपिक खेल ब्रिसबेन में होना है इसलिए भारत ने 2036 ओलंपिक के लिए दावेदारी की है। भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष ऊषा ने कहा है, भारत में ओलंपिक खेल का होना न सिर्फ एक भव्य आयोजन होगा बल्कि उसका सभी भारतीयों पर ऐसा प्रभाव पड़ेगा जो पीढ़ियों में कभी कभार पड़ता है। उषा ने लूजान में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के अधिकारियों के साथ भारतीय प्रतिनिधिमंडल की बैठक की तस्वीर को सोशल मीडिया पर साझा भी किया है। उन्होंने कहा कि बातचीत काफी अच्छी रही है।

टीम इंडिया ने पहली पारी में बनाए 587 रन, शुभमन गिल लगाया दोहरा शतक

बर्मिंघम।

भारत-इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला एजबेस्टन में है। गुरुवार को मैच के दूसरा दिन भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में 587 7 रनों का स्कोर खड़ा किया है। टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल ने सबसे ज्यादा 269 रन बनाए।

दूसरे दिन के खेल में भी रवींद्र जडेजा और शुभमन गिल की जोड़ी ने कमाल की बल्लेबाजी की। जडेजा ने 80 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया, जिसमें 6 चौके शामिल रहे। वहीं शुभमन गिल 263 गेंदों पर अपने 150 रन पूरे करने में कामयाब रहे। शुभमन ने पहली बार टेस्ट क्रिकेट में किसी पारी में 150 रनों का आंकड़ा टच किया। जडेजा अपने शतक की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन जोश टंग की शॉर्ट पिच गेंद पर वो चलते बने। जडेजा ने 10 चौके और एक सिक्स की मदद से 137 गेंदों पर 89 रन बनाए।

रवींद्र जडेजा के आउट होने के बाद शुभमन गिल ने वॉशिंगटन सुंदर के साथ पारी को आगे बढ़ाया। शुभमन ने इस दौरान 311 गेंदों पर अपना दोहरा शतक पूरा कर लिया। शुभमन के टेस्ट करियर का ये पहला दोहरा शतक रहा। साथ ही इंग्लैंड में किसी भारतीय कप्तान का भी ये पहला दोहरा शतक रहा। शुभमन और वॉशिंगटन सुंदर के बीच सातवें विकेट के लिए 144 रनों की पार्टनरशिप हुई। सुंदर 42 रन बनाकर जो रूट की गेंद पर बोल्ड हुए।

शुभमन गिल ने 387 गेंदों 30 चौके और तीन छक्के की सहायता से 269 रन बनाए, शुभमन का विकेट जोश टंग ने लिया। आकाश दीप (6 रन) और मोहम्मद सिराज (8) आउट होने वाले आखिरी 2 बल्लेबाज रहे। इंग्लैंड की ओर से शोएब बशीर ने सबसे ज्यादा तीन विकेट झटके।

शुभमन की पारी से गर्व का अनुभव कर रहे उनके मेंटोर युवराज

नई दिल्ली।

भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह आजकल बेहद खुश हैं। युवराज की खुशी का कारण उनके शिष्य और भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल का शानदार प्रदर्शन है। शुभमन ने इंग्लैंड के खिलाफ दोहरा शतक लगाया है। युवराज ने कहा कि उसने बल्लेबाजी को बेहद आसान बना दिया है। युवराज ने कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान युवा गिल और टी20 सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को कोचिंग दी थी। युवराज ने खुशी जताते हुए सोशल मीडिया में लिखा, ''शुभमन गिल को सलाम! बड़े मंच पर उसने सब कुछ इतना आसान बना दिया। शानदार खेला और दोहरे शतक का अधिकारी था, यह उदाहरण है कि जब इरादा साफ हो तो आपको कोई नहीं रोक सकता।'' वहीं दिग्गज स्पिनर आर अश्विन ने ने भी शुभमन की सराहना की है। अश्विन ने लिखा, ''शुभमन का दोहरा शतक। कप्तानी की उनकी शुरुआत शानदार रही, इससे उन्हें आगे बढ़ने में बहुत सहायता मिलेगी। वहीं महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने लिखा, ''शुभमन गिल और जडेजा द्वारा आज दिखाए गए इरादे और प्रतिबद्धता को देखकर बहुत खुशी हुई। शानदार खेल दिखाया!''

पीसीए ने शुभमन का पुराना वीडियो जारी कर कहा, आपका ताज सबसे अधिक चमक रहा

चंडीगढ़।

इंग्लैंड के खिलाफ पहले दोनो टेस्ट मैच में शतक लगाने के साथ ही भारतीय टीम के युवा कप्तान शुभमन गिल छा गये हैं। इसके बाद से ही उन्हें बधाईयां मिल रही हैं। शुभमन ने पहले टेस्ट में शतक और अब दूसरे टेस्ट में दोहरा शतक लगाया है। उनकी 269 रन की ऐतिहासिक पारी पर उनके गृह राज्य पंजाब क्रिकेट संघ ने एक बेहद प्यारा संदेश दिय है। इस इसमें कहा गया है कि ताज पहने नहीं, कमाए जाते हैं। आपका ताज सबसे अधिक चमक रहा है। पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) ने उनके एक साक्षात्कार को सोशल मीडिया में साझा किया है। ये तक का वीडियो है जब गिल शुरुआती किशोरावस्था में थे। इस वीडियो के साथ पीसीए ने जो लिखा है, वो सबसे अहम है। पीसीए ने पोस्ट किया, ' शुभमन आपने सिर्फ नेतृत्व ही नहीं किया बल्कि राज किया। पंजाब के हृदय से लेकर भारतीय क्रिकेट की आत्मा तक। आपने दुनिया को दिखाया है कि मैदान पर राजसीपन कैसा होता है। सिर्फ कप्तान ही नहीं - एक ताकत, एक आग, एक सुनहरा भविष्य। ताज पहने नहीं जाते - उन्हें कमाया जाता है और आज, आपका ताज सबसे अधिक चमक रहा है।'इस वीडियो में शुभमन टेस्ट क्रिकेट में बल्लेबाजी के बारे में किसी बहुत अनुभवी और परिपक्व हुए बल्लेबाज के तौर पर बातचीत करते दिख रहे हैं। वह कहते दिख रहे हैं कि टेस्ट क्रिकेट है, अगर आप जल्दी आउट हो गए तो पूरे दिन आपको बाहर बैठना पड़ता है। उस समय वह बता रहे हैं कि उनका असल लक्ष्य भारतीय टीम से खेलना है। ये साक्षात्कार तब का था जब उन्होंने मोहाली की तरफ से खेलते हुए अमृतसर के खिलाफ 351 रन बनाए थे। उस मैच में वह अपने साथी बल्लेबाज निर्मल सिंह के साथ मिलकर अंतर-जिला मैच में 587 रन की रिकॉर्ड साझेदारी की थी।

दिल्ली 6 ने डीपीएल के लिए ऋषभ को रिटेन किया

लीग में दो नई पुरुष फ्रेंचाइज भी शामिल की गयीं

नई दिल्ली।

विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) के आगामी सत्र में भी पुरानी दिल्ली 6 की ओर से खेलते हुए नजर आयेंगे। नीलामी से पहले ही पुरानी दिल्ली 6 ने ऋषभ को रिटेन करने की घोषणा की है। उन्हें मार्की खिलाड़ी के रूप में बनाये रखा गया है। पुरानी दिल्ली 6 ने डीपीएल 2024 में अच्छा प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में जगह बनायी थी। ऋषभ के होने से दिल्ली 6 को उम्मीद है कि टीम 2025 सीजन में और अधिक बेहतर प्रदर्शन करेगी। पुरानी दिल्ली 6 के प्रमोटर ने कहा, 'ऋषभ न केवल विश्व स्तरीय क्रिकेटर हैं, बल्कि पुरानी दिल्ली 6 की धड़कन भी हैं।

उनका नेतृत्व, अनुभव और प्रतिभा हमें बढ़त दिलाती है। उनके रहने से हमारी टीम बेहतर होकर जीत की ओर बढ़गी। वहीं दिज्ली जिला क्रिकेट संघ ने इस सत्र से दो नई पुरुष फ्रेंचाइज भी शामिल की हैं। इसमें बाहरी दिल्ली और नई दिल्ली फ्रेंचाइजी है। इससे लीग में टीमों की संख्या छह से बढ़कर 8 हो जाएगी। आगामी सत्र के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 6 जुलाई और 7 जुलाई को होगी।

वहीं टीम में रिटेन किये जाने से ऋषभ भी खुश हैं उन्होंने कहा, 'डीपीएल युवा प्रतिभाओं को अपना कौशल दिखाने के लिए एक शानदार मंच प्रदान करता है और इस लीग को सफलतापूर्वक

आयोजित करने का श्रेय रोहन जेटली और डीडीसीए को जाता है। इस लीग से कई प्रतिभाएं सामने आयी हैं। जिनमें दिग्वेश राठी, प्रियांश आर्य सहित कई अन्य खिलाड़ी शामिल हैं।

जडेजा ने बताया स्टोक्स के साथ हुई बहस का कारण

बर्मिंघम।

रविंद्र जडेजा ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स के साथ हुई बहस का कारण बताया है। जडेजा ने कहा कि स्टोक्स मैच में मनोवैज्ञानिक दबाव बनाने उनकी शिकायत अंपायर से कर रहे थे। इसके अलावा अन्य खिलाड़ी उनका साथ दे रहे थे। जडेजा के अनुसार मेजबान टीम के खिलाड़ियों का प्रयास भारतीय बल्लेबाजों की लय भंग करना था। इसी कारण वे उनपर कमेंट कर रहे थे। दूसरे दिन का खेल शुरू होने के कुछ देर बाद जब उन्होंने पानी मंगाया था तो भी इंग्लैंड के खिलाड़ी उन पर तंज कस कस रहे थे। इस मैच के पहले दिन बेन स्टोक्स की यशस्वी जायसवाल से झड़प हुई थी और फिर क्रिस वोक्स ने जडेजा के बारे में मैदानी अंपायरों से शिकायत की थी। इंग्लैंड के खिलाड़ियों का कहना था कि जडेजा पिच के डेंजर जोन में दौड़ रहे हैं, जिससे पिच में निशान बन रहे हैं। मेजबान टीम का कहना था कि जडेजा ऐसा योजना के तहत कर रहे हैं। इसी को लेकर स्टोक्स ने उन्हें रोका भी था। वहीं जडेजा ने कहा, लेकिन मैं यहीं से आ रहा था। मैं वैसे भी वहां गेंदबाजी नहीं करूंगा। मैं ऐसा क्यों करूंगा? मेरा ध्यान बल्लेबाजी पर है? जडेजा ने स्टोक्स के साथ मैदान पर हुई बातचीत को लेकर दावा किया कि उनका इरादा सतह पर खुरदरापन पैदा करने का नहीं था। दूसरे दिन के खेल के बाद जडेजा ने कहा कि वे बार-बार अंपायर से शिकायत कर हमारी लय तोड़ने का प्रयास कर रहे थे। उन्होंने कहा, स्टोक्स को लगता है कि मैं अपने लिए पिच को खुरदुरा बना रहा हूं। वहीं वे तेज गेंदबाजों का इस्तेमाल करके इसे और भी खराब बना रहे थे। मुझे इसे रफ बनाने की जरूरत नहीं थी। वे बार-बार अंपायर से कह रहे थे कि मैं विकेट पर दौड़ रहा हूं, लेकिन मेरा इरादा ऐसा नहीं था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तब बाढ़ में भी नहीं डूबेंगे धान के पौधे!

तेज बरसात की वजह से चावल के पौधे पानी में बिलकुल डूब जाते हैं। अब जापानी वैज्ञानिकों ने ऐसे जीनों का पता लगाया है जिनके जरिए चावल के पौधे का विकास इस तेजी से बढ़ाया जा सकता है कि वह पानी में डूबे ही नहीं।

भारत में चावल उगाने वाले किसान जहां बरसात के लिए तरसते हैं, वहीं उससे बहुत डरते भी हैं। उनके मन में कई सवाल होते हैं, क्या बरसात ठीक वक्त पर आएगी, ज़्यादा तेज और लंबी तो नहीं होगी, कितनी बार फसल बरसात की वजह से खराब हो जाती है और हज़ारों किसानों के लिए भारत में ही नहीं, बल्कि पाकिस्तान, बांग्लादेश और दूसरे एशियाई देशों में भी गुजारा करना मुश्किल हो जाता है।

अक्सर यह देखा गया है कि तेज बरसात की वजह से चावल के पौधे पानी में बिलकुल डूब जाते हैं। खेतों मे बढ़ता हुआ जलस्तर चावल के पौधों के लिए सामान?यत- अच्छा ही रहता है, लेकिन यह ज़रूरी है कि पौधे के उपरी हिस्से हवा के संपर्क में बने रहें। हालांकि मानसूनी इलाकों में बरसात और बाढ की वजह से चावल के खेतों में पानी इतना ज?यादा भर जाता है कि धान के पौधे बिल्कुल डूब जाते हैं तथा इससे वे सड़ने लगते हैं और मर भी जाते हैं।

गौरतलब है कि गहरे पानी में उगनेवाले चावल की प्रजाति को जलजमाव से कोई समस्या नहीं होती। पानी के साथ-साथ उसके तने वाले डंठल भी बढ़ते जाते हैं।

जापान के नागोया विश्वविद्यालय के मोतोयुकी अशिकारी कहते हैं-

गहरे पानी में उगने वाले चावल के पौधे, पानी की गहराई से ऊपर बने रहने के लिए, एक मीटर तक बढ़ सकते हैं। वे हवा के संपर्क में बने रहने के लिए ऐसा करते है। वे अंदर से खोखले होते हैं, लेकिन उसके जरिए पौधा पानी की सतह से उपर पहुंच सकता है और ऑक्सीजन पा सकता है। यह कुछ ऐसा ही है कि जब आप गोताखोरी कर रहे होते हैं, तो पानी से ऊपर निकली एक नली से सांस लेते हैं।

बरसात के समय ऐसे चावल के तने 25 सेंटीमीटर प्रतिदिन की एक अनोखी गति से बढ़ सकते हैं। अशिकारी और उनकी टीम ने इस प्रक्रिया को समझने के लिए इस चावल के जीनों से यह समझने की कोशिश की कि चावल बरसात के वक्त अपने विकास को किस तरह नियंत्रित करता है। अध्ययनों से अब तक जितना पता चला है वह यह है कि एक गैसीय विकास-हॉर्मोन एथीलिन इसके लिए जिम्मेदार है, जैसाकि नीदरलैंड के उएतरेश्त विश्वविद्यालय के रेंस वोएसेनेक बताते हैं-

जब पौधा पूरी तरह पानी में डूब जाता है तब यह गैस ठीक तरह से मुक्त नहीं हो पाती। यू कहें कि वह पौधे में ही कैद हो जाती है। यानी पौधे में एथिलिन की मत्रा बढ़ने लगती है। यह पौधे के लिए संकेत है कि वह पानी में डूब रहा है और उसे कुछ करना है।

जापानी विशेषज्ञों ने पता लगाने की कोशिश की कि कौन से जीन इस स्थिति में सक्रिय होते हैं। उन्होने ऐसे जीन पाए जिनको वे गोताखोरी में इस्तेमाल होनेवाली नली के अनुरूप स्नोर्कल जीन कहते हैं। ये जीन तभी सक्रिय होते हैं जब पौधे के तने में एथिलिन की मात्रा बढ़ने लगती है। वे पौधे के विकास को तेज करने वाले दूसरे तत्वों का उत्पादन शुरू कर देते हैं। मोतोयुकी अशिकारी कहते हैं-

हमने क्रॉमोसोम 1,3 और 12 पर यह तथाकथित नलिका जीन पाए। उन्हें यदि सामान्य चावल के पौधों में भी मिलाया जा सके, तो बरसात के वक्त सामान्य चावल के पौधे भी वही करेंगे जो गहरे पानी में उगने वाला चावल करता है। मुझे पूरा विश्वास है कि हम चावल की हर प्रजाति को गहरे पानी में उगने वाले चावल की प्रजाति बना सकते हैं।

यानी इन जीनों की मदद से चावल की उस फसल को बचाया जा सकता है जो पानी की अधिकता के प्रति बहुत संवेदनशील है। जहां अक्सर बाढ आती है वहां के किसानों की इस बड़ी समस्या का समाधान हो सकता है। एक और समस्या भी दूर हो सकती है - गहरे पानी में उगने वाला चावल बहुत ही कम फसल देता है, प्रति हेक्टेयर सिर्फ एक टन जो उपजाऊ क़िस्मों की तुलना में सिर्फ 20 फीसदी के बराबर है। नीदरलैंड के विशेषज्ञ रेंस वोएसेनेक बहुत ही आशावादी हैं-

विकास के लिए जिम्मेदार इन जीनों के बारे में पता चल जाने के बाद अब हम चावल की अलग-अलग प्रजातियों के बीच प्रकृतिक संवर्धन के जरिए, यानी वर्णसंकर के जरिए भी इन जीनों को उनके पौधे में डाल सकते हैं। इसके लिए किसी जीन तकनीक जरूरत ही नहीं हैं।

जापान के विशेषज्ञों ने यह काम शुरू कर भी दिया है। उनके अध्ययनों से एक बार फिर पता चलता है कि पौधों के संवर्धन के लिए उनके जीनों में असामान्य गुणों की तालाश कितनी जरूरी है।

कुदरती खेती का एक अनूठा प्रयोग

भारत एक कृषि प्रधान देश है। प्रकृति की कृपा तथा हमारे किसानों कि आर्थिक मेहनत से हमारी भूमि सदा उपजाऊ रही है। प्राचीन समय में हमारी खेती प्राकृतिक संपदा व संसाधनों पर ही निर्भर थी और देश की खाद्यान्नों सम्बन्धी आवश्यकताओं को पूरा कर पाती थी। जैसे-जैसे देश में शहरीकरण व औद्योगिकरण बढते गये , गांवों से लोग खेती को छोड़ शहरों की ओर आते गये। प्राकृतिक खेती पध्दति कम होती गई और रासायनिक खाद आदि का प्रयोग बढता गया। ज़मीन की उत्पादकता घटती गई और साथ ही किसान की आय भी। सन 1965 में भारत में हरित क्रांति आयी जिससे उपज तो बढी मगर रासायनिक उरवरक तथा अन्य उत्पादों के अन्धाधुन्ध प्रयोग से मिटटी की उत्पादकता भी कम होती गयी।

यूरोप, अमरीका व एशिया में सन् 1940-50 के दकों में जैविक खेती और प्राकृतिक खेती की प्रक्रियाओं पर बहुत प्रयोग किये गये। खेती कि ये विधायें भारत में सन 1980 के दशक से आगे बढी हैं। जैविक खेती की पद्धति में रासायनिक पध्दाथों का प्रयोग वर्जित है। प्राकृतिक खेती में केवल प्राकृतिक प्रक्रियाओं व संसाधनों का ही प्रयोग होता है। आधुनिक खेती या रासायनिक खेती प्रकृति के खिलाफ है। रासायनिक खादों व कीटनाशकों से हमारे खेतों की मिट्टी की उर्वरता खत्म हो रही है। मिट्टी में मौजूद सूक्ष्म जीवाणु और जैव तत्त्व मर रहे हैं और वह बंजर हो जाती है। कुदरती खेती प्रकृति के साथ होती है। यद्यपि प्राकृतिक खेती की शुरूआत जापान के कृषि वैज्ञानिक फुकुओवा ने की है लेकिन हमारे यहां भी ऐसी खेती होती रही है। मंडला के बैगा आदिवासी बिना जुताई की खेती करते हैं जिसे झूम खेती कहते हैं।

भारत के मध्य प्रदेश राज्य के होशंगाबाद ज़िले के एक फार्म मे लगभग पिछले 25 वर्षों से प्राक्रतिक खेती, जिसे कुदरती खेती भी कहते है, हो रही है। करीब 12 एकड़ के इस फार्म में सिर्फ 1 एकड़ में खेती की जा रही है। यहां बिना जुताई (नो टिलिग) और रासायनिक खाद के खेती की जा रही है। बीजों को मिट्टी की गोली बनाकर बिखेर दिया जाता है और वे उग आते हैं। यह सिर्फ खेती की एक पद्धति भर नहीं है बल्कि जीवनशैली है। यहां का अनाज, फल पानी और हवा शुध्द है। यहा कुआं है, जिसमें पर्याप्त पानी है। बिना जुताई के खेती मुश्किल है, ऐसा लगना स्वाभाविक है। पहली बार सुनने पर विश?वास नहीं होता लेकिन देखने के बाद सभी शंकाएं निर्मूल हो जाती हैं। दरअसल, इस पर्यावरणीय पद्धति में मिट्टी की उर्वरता उत्तारोतर बढ़ती जाती है।

बाकी के 11 एकड़ में सुबबूल (आस्टेलियन अगेसिया) का जंगल है। सुबबूल एक चारे की प्रजाति है। इस जंगल से मवेशियों का चारा और लकड़ियां मिल जाती हैं। लकड़ियों की टाल है, जहां से जलाऊ लकड़ी बिकती हैं, जो फार्म की आय का मुख्य स्रोत है। एक एकड़ जंगल से हर वर्ष करीब ढाई लाख रूपये की लकड़ी बेच लेते हैं।

गेहूं के खेतों में हवा के साथ गेहूं के हरे पौधे लहलहाते हैं। खेत में फलदार और अन्य जंगली पेड़ हैं जिनके नीचे गेहूं की फसल होती है। आम तौर पर खेतों में पेड़ नहीं होते हैं लेकिन यहां अमरूद, नीबू और बबूल के पेड़ हैं जिन के कारण खेतों में गहराई तक जड़ों का जाल बुना रहता है। इससे भी जमीन ताकतवर बनती जाती है। अनाज और फसलों के पौधे पेड़ों की छाया तले अच्छे होते हैं। छाया का असर जमीन के उपजाऊ होने पर निर्भर करता है। चूंकि यहां जमीन की उर्वरता अधिक है, इसलिए पेड़ों की छाया का फसल पर कोई विपरीत प्रभाव नहीं पड़ता।

इन खेतों में पुआल, नरवाई, चारा, तिनका व छोटी-छोटी टहनियों को पड़ा रहने देते हैं, जो सड़कर जैव खाद बनाती हैं। खेत में तमाम छोटी-बड़ी वनस्पतियों के साथ जैव विविधताएं आती -जाती रहती हैं। और हर मौसम में जमीन ताकतवर होती जाती है। इस जमीन में पौधे भी स्वस्थ और ताकतवर होते हैं जिन्हें जल्द बीमारी नहीं घेरती।

यहां जमीन को हमेशा ढककर रखा जाता है। यह ढकाव हरा या सूखा किसी भी तरह से हो, इससे फर्क नहीं पड़ता। इस ढकाव के नीचे अनगिनत जीवाणु, केंचुए और कीड़े-मकोड़े रहते हैं और उनके ऊपर-नीचे आते-जाते रहने से जमीन पोली और हवादार व उपजाऊ बनती है।

आमतौर पर किसान अपने खेतों से अतिरिक्त पानी को नालियों से बाहर निकाल देते हैं लेकिन यहां ऐसा नहीं किया जाता। बारिश में कितना ही पानी गिरे, वह खेत के बाहर नहीं जाता। खेतों में जो खरपतवार, ग्रीन कवर या पेड़ होते हैं, वे पानी को सोखते हैं। इससे एक ओर खेतों में नमी बनी रहती है, दूसरी ओर वह पानी वाश?पीकृत होकर बादल बनता है और बारिश में पुन् बरसता है। इसके विपरीत, जब जमीन की जुताई की जाती है और उसमें पानी दिया जाता है तो खेत में कीचड़ हो जाती है। बारिश होती है तो पानी नीचे नहीं जा पाता और तेजी से बहता है। पानी के साथ खेत की उपजाऊ मिट्टी बह जाती है। इस तरह हम मिट्टी की उपजाऊ परत को बर्बाद कर रहे हैं और भूजल का पुनर्भरण भी नहीं कर पा रहे हैं। साल दर साल भूजल नीचे चला जा रहा है।

यहां खेती भोजन की जरूरत के हिसाब से होती हैं, बाजार के हिसाब से नहीं। जरूरत एक एकड़ से ही पूरी हो जाती है। यहां से अनाज, फल और सब्जियां मिलती हैं, जो परिवार की जरूरत पूरी कर देती हैं। जाड़े मे गेहूं, गर्मी में मक्का व मूंग और बारिश में धान की फसल ली जाती है। कुदरती खेती में भूख मिटाने के साथ समस्त जीव-जगत के पालन का विचार है। इससे मिट्टी-पानी का संरक्षण होता हैं। इसे ऋषि खेती भी कहते हैं क्योंकि ऋषि मुनि कंद-मूल, फल और दूध को भोजन के रूप में ग्रहण करते थे, बहुत कम जमीन पर मोटे अनाजों को उपजाते थे। वे धरती को अपनी मां के समान मानते थे, उससे उतना ही लेते थे जितनी जरूरत थी। अत- कुदरती खेती का यह प्रयोग सराहनीय होने के साथ-साथ अनुकरणीय भी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नहीं थम रहीं विमानों की आपात लैंडिंग, तकनीकी खराबी या कुछ और उठ रहे सवाल

नई दिल्ली।

अहमदाबाद विमान हादसे से लगातार विमानों की आपात लैंडिंग के मामले सामने आ रहे हैं। अभी ताजा मामला दिल्ली से वॉशिंगटन डीसी जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-103 का है, जो कि तकनीकी खराबी के चलते विएना में आपात लैंड हुआ। बताया जा रहा है कि यह रुकावट ईंधन भरने के निर्धारित ठहराव के दौरान हुई, जब विमान की जांच में एक्सटेंडेड मेंटेनेंस टास्क यानी विस्तृत रखरखाव कार्य की जरुरत पाई गई। वैसे अब इस पर भी सवाल उठने लगे हैं कि क्या बमों की धमकी और विमानों में आ रही खराबी ही प्रमुख कारण है आपात लैंडिंग का, या कोई और कारण भी हो सकता है? फिलहाल विएना आपात लैंडिंग मामले में एयर इंडिया की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि विएना में तय ईंधन स्टॉप के दौरान, एक जरूरी मेंटेनेंस टास्क का पता चला, जिसके बाद यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए विमान को वहीं रोका गया और सभी यात्रियों को सुरक्षित उतार लिया गया है। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने बताया कि 2 जुलाई को दिल्ली से रवाना हुई फ्लाइट को विएना में ईंधन भरने के लिए रोका गया था। ईंधन भराई के समय विस्तृत तकनीकी जांच में गंभीर खराबी की जानकारी मिली, जिसे तुरंत ठीक नहीं किया जा सकता था। इसलिए एयरलाइन ने फ्लाइट को रद्द करने का निर्णय लिया। वॉशिंगटन डीसी जा रहे सभी यात्रियों को विएना में सुरक्षित उतार लिया गया है। जिन यात्रियों के पास वैध शेंगेन वीज़ा या वीज़ा-मुक्त प्रवेश पात्रता थी, उन्हें विएना में होटल में ठहरने की सुविधा दी गई जिन यात्रियों के पास प्रवेश की अनुमति नहीं थी, उनके लिए ऑस्ट्रियाई इमिग्रेशन और सुरक्षा एजेंसियों से मंजूरी मिलने तक एयरपोर्ट पर ठहरने की व्यवस्था की गई है। एयर इंडिया ने यात्रियों को वॉशिंगटन के लिए वैकल्पिक उड़ानों में बुक किया और राशि रिटर्न का विकल्प भी दिया। इसके अलावा वॉशिंगटन डीसी से दिल्ली लौटने वाली वापसी उड़ान एआई-104 को भी रद्द कर दिया गया। इस फ्लाइट के यात्रियों को भी अन्य फ्लाइट्स में शिफ्ट किया गया और उनकी प्राथमिकता के मुताबिक रिफंड भी दिया गया। एयर इंडिया ने कहा कि हमें असुविधा के लिए खेद है, लेकिन यात्रियों और क्रू की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। बता दें एयर इंडिया और उसकी सहयोगी कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस हर दिन 1100 से ज्यादा उड़ानें संचालित करती हैं, जिनमें औसतन 1.5 लाख यात्री यात्रा करते हैं। एयरलाइन ने माना कि हाल के दिनों में उसे हवाई क्षेत्र की बंदिशें, यूरोप और पूर्वी एशिया में एयरपोर्ट की पाबंदियां और एयर ट्रैफिक की भीड़ जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। इसी के चलते एयर इंडिया ने पहले ही घोषणा की थी कि वह स्वेच्छा से अपनी फ्लाइट्स की पूर्व-उड़ान जांच को और सख्त बनाएगी। बहरहाल लगातार विमानों की आपात लैंडिंग से सवाल उठने शुरु हो गए हैं, जिस पर ध्यान देना भी आवश्यक हो गया है।

संक्षिप्त समाचार

डीएसी ने दी 1.5 लाख करोड़ रुपए के 10 रक्षा खरीद प्रस्तावों को मंजूरी

नई दिल्ली।

पाकिस्तान के साथ पश्चिम सीमा पर जारी तनाव के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) की बैठक हुई। जिसमें कुल करीब 1.05 लाख करोड़ रुपए के 10 रक्षा खरीद प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की गई है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि बैठक के दौरान परिषद ने इन प्रस्तावों के लिए आवश्यकता की स्वीकृति यानी एओएन प्रदान किया है। 10 प्रस्तावों में तीनों सशस्त्र सेनाओं (सेना, वायुसेना और नौसेना) के लिए बख्तरबंद रिकवरी वाहनों, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली, कॉमन इन्वेंट्री मैनेजमेंट सिस्टम और सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों की खरीद को डीएसी ने अपनी स्वीकृति दी है। यह खरीद तीनों सेनाओं को उच्च गतिशीलता, प्रभावी वायु रक्षा, बेहतर आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन प्रदान करेगी और उनकी परिचालन तैयारियों को मजबूत बनाएगी। मंत्रालय ने कहा कि डीएसी की बैठक में मूर्ड माइंस, माइन काउंटर मेजर वेसल्स, सुपर रैपिड गन माउंट और सबमर्सिबल ऑटोनॉमस वेसल्स की खरीद के लिए भी मंजूरी प्रदान की गई है। जिससे नौसेना और मालवाहक जहाजों के लिए संभावित खतरों को कम करने में आसानी होगी। यह प्रस्ताव स्वदेशी डिजाइन और विकास को बढ़ावा देने के लिए एओएन खरीद (भारतीय स्वदेशी रूप से डिजाइन, विकसित और निर्मित) श्रेणी के तहत स्वीकृत किए गए हैं।

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के 10 जजों के नाम पर सुप्रीमकोर्ट कॉलेजियम की अनुशंसा

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के लिए जजों के नाम की स्वीकृति सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम ने दे दी है। इसमें से पांच न्यायिक अधिकारी हैं,और पांच जज अधिवक्ता पैनल से अनुशंसा की गई है इन नामो को विधि मंत्रालय भेज दिया गया है। 1 और 2 जुलाई को कॉलेजियम की बैठक सुप्रीम कोर्ट में हुई। इस बैठक में ग्वालियर के अजय कुमार निरंकारी का नाम शामिल किया गया। इसके अलावा पुष्पेंद्र यादव, आनंद सिंह बहरावत, जयकुमार पिल्लई और हिमांशु जोशी न्यायिक अधिकारियों में राजेश कुमार गुप्ता, आलोक अवस्थी, रत्नेश चंद्र सिंह बिसेन, भगवती प्रसाद शर्मा और प्रदीप मित्तल के नाम की अनुशंसा की गई है।

6 जुलाई से योग निद्रा में चले जाएंगे भगवान विष्णु

शिव भगवान करेंगे सृष्टि की देखभाल

नई दिल्ली। हिंदू एवं सनातन धर्मालंबियों के लिए 6 जुलाई का दिन विशेष महत्व का होगा।यह दिन देवशयनी एकादशी के रूप में मनाया जाता है। मान्यता है, इस दिन भगवान विष्णु योग निद्रा में चले जाते हैं। 4 माह तक भगवान विष्णु योग निद्रा में रहते हैं। 31 अक्टूबर तक योग निद्रा में भगवान रहेंगे। 1 नवंबर को देवउठनी ग्यारस होगी। तब भगवान निद्रा से जागकर सृष्टि की सत्ता अपने हाथ में ले लेंगे। इस बीच उनका काम भगवान भोलेनाथ देखेंगे। हिंदू और सनातनी साधु सन्यासी चार माह का चातुर्मास करते हैं। इसमें धर्म ध्यान और अनुष्ठान करते हैं। मानसून के मौसम में साधु संत एक ही स्थान पर रहते हैं। मानसून के चार माह,पूजा-पाठ, व्रत, अनुष्ठान,कथा, सत्संग, आरती के कार्यक्रम बड़े पैमाने पर होते हैं।इन चार माह में धार्मिक अनुष्ठान करने का विशेष फल मिलता है। चातुर्मास में जगह-जगह बड़े-बड़े धार्मिक आयोजन साधु संतों के आशीर्वाद से संपन्न होते हैं। चातुर्मास के लगभग 118 दिनों तक नवीन गृह प्रवेश, विवाह, जनेऊ,मूर्ति की स्थापना, यघोपवीत जैसे मांगलिक कार्य नहीं होते हैं। 6 जुलाई को पूरे भारतवर्ष में देवशयनी एकादशी का कार्यक्रम बड़े धूमधाम से मनाया जाएगा।

यूपी में अपना दल में बगावत, अनुप्रिया के निशाने पर बीजेपी के नेता

लखनऊ। अपना दल (एस) और उसके बागियों का अपना मोर्चा अब खुलकर आमने-सामने आ चुके हैं। संस्थापक डॉ. सोनेलाल पटेल की जयंती समारोह पर लखनऊ में दोनों ओर से ताकत की जोर-आजमाइश देखने को मिली। अपना दल (एस) ने इस मौके पर जहां 13 विधायकों को बुलाकर ताकत दिखाई। वहीं पीएम मोदी की तारीफ कर यूपी बीजेपी के एक नेता पर निशाना साधा। साथ ही आरोप लगाया कि अपना दल (एस) को खत्म करने के लिए गठबंधन दल की ओर से षड्यंत्र रचा जा रहा है। पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष आशीष पटेल ने बागियों को उकसाने के लिए बिना नाम लिए बीजेपी पर हमला बोला। इससे ऐसा लगता है कि अपना दल (एस) और बीजेपी की यूपी सरकार में बैठे लोगों के बीच मतभेद हैं। सवाल है कि अपना दल के कमजोर होने से किसको सियासी फायदा होगा? बागियों को किस दल से संरक्षण मिल रहा है? अनुप्रिया-आशीष पटेल के निशाने पर बीजेपी का कौन नेता है?

प्रस्तावित लड़ाकू विमान सौदे में दलाल बने थे राजीव गांधी, बीजेपी सांसद दुबे का आरोप

रक्षा सौदों में इंदिरा गांधी करती थीं अत्यधिक हस्तक्षेप

नई दिल्ली।

बीजेपी के तेजतर्रार सांसद निशिकांत दुबे ने पूर्व कांग्रेसी प्रधानमंत्रियों राजीव और इंदिरा गांधी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया कि 1970 के दशक में प्रस्तावित लड़ाकू विमान सौदे में राजीव गांधी ने बिचौलिए की भूमिका अदा की थी। सांसद दुबे ने 2013 की विकीलीक्स रिपोर्ट का देकर कहा कि स्वीडिश राजनयिक ने अमेरिकी सरकार को बताया था कि साब-स्कैनिया कंपनी भारत को विगेन लड़ाकू विमान बेचना चाहती थी, जिसमें तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के पायलट बेटे राजीव मध्यस्थ थे। इसके साथ ही, दुबे ने इंदिरा गांधी पर रक्षा सौदों में अत्यधिक हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया। सांसद दुबे ने अपने पोस्ट में लिखा कि यह खुलासा 2013 में हुआ, जब मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार सत्ता में थी। उन्होंने सवाल उठाया कि तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन की सरकार ने इन आरोपों के सामने आने पर अमेरिकी या स्वीडिश सरकार के खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं की। **भ्रष्टाचार और राष्ट्रीय हितों से समझौता करने के आरोप** बात दें कि निशिकांत दुबे लगातार कांग्रेस पार्टी और गांधी परिवार पर भ्रष्टाचार व राष्ट्रीय हितों से समझौता करने के आरोप लगाते रहे हैं। इसके पहले, 1 जुलाई को उन्होंने दावा किया था कि गांधी परिवार के नेतृत्व में भारत को सोवियत संघ को बेच दिया गया था। उन्होंने सीआईए दस्तावेजों का हवाला देकर कहा कि कांग्रेस नेता एचकेएल भगत के नेतृत्व में 150 से अधिक कांग्रेस सांसदों को सोवियत संघ ने वित्तीय मदद दी थी। इसके अलावा, उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व अमेरिकी राजदूत मोयनिहान ने अपनी किताब में उल्लेख किया है कि उन्होंने इंदिरा गांधी को पैसे दिए थे।

एस्ट्रोनॉट शुभांशु ने छात्रों से बातचीत कर अंतरिक्ष जीवन का अनुभव किया साझा, जीरो ग्रैविटी में बहकर कहीं और चले जाने का खतरा

नई दिल्ली।

भारत के पहले इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) तक पहुंचने वाले एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला ने उत्तर प्रदेश और केरल के स्कूली छात्रों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संवाद किया। इस खास बातचीत में शुभांशु ने अंतरिक्ष में जीवन, दिनचर्या और चुनौतियों से जुड़े सवालों के जवाब बेहद सहज अंदाज में दिए।

भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु 26 जून को एक्सियम मिशन-4 के तहत आईएसएस पहुंचे हैं। वे 41 वर्षों बाद स्पेस में जाने वाले पहले भारतीय हैं और 10 जुलाई को पृथ्वी पर लौटेंगे। इस संवाद कार्यक्रम में लखनऊ, रायबरेली, हरदोई और सीतापुर समेत चार जिलों के 150 छात्र शामिल हुए। छात्रों के सवालों के जवाब देते हुए शुभांशु ने बताया, स्पेस में नींद के दौरान खुद को बांधना पड़ता है ताकि जीरो ग्रैविटी में बहकर कहीं और न चले जाएं। वहां दीवार, फर्श या छत जैसा कुछ नहीं होता। कोई दीवार पर सोता है, कोई छत पर। उन्होंने कहा कि माइक्रोग्रैविटी में मांसपेशियों को बनाए रखने के लिए रोज एक्सरसाइज और योग करते हैं।

सुभांशु ने छात्रों को स्पेस लाइफ की जानकारी देते हुए कहा, कि वहां एक खास साइकल होती है जिसमें सीट नहीं होती, सिर्फ पैडल से खुद को बांधकर एक्सरसाइज करनी होती है। शुभांशु ने बताया कि वे मानसिक मजबूती के लिए तकनीक की मदद से परिवार और दोस्तों से जुड़े रहते हैं। वापसी पर शरीर को फिर से पृथ्वी की ग्रैविटी के अनुसार ढालना बड़ी चुनौती होती है।

खाने के लिए ले गए हैं गाजर का हलवा

खाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि वे अपने साथ गाजर का हलवा, मूंग दाल हलवा और आम रस लेकर गए हैं। उन्होंने कहा कि हम पैकेज्ड मील खाते हैं या वही जो मिशन से पहले खाया हो।

इन तमाम तरह की जानकारियों के बाद छात्रों ने कहा कि सुभांशु शुक्ला सर से बातचीत कर हमें भविष्य की नई संभावनाओं की झलक मिली है। छात्रों ने इस अनुभव को प्रेरणादायक बताया है।

गुजरात से लाईं गईं गिर की 90 गायें बीजेपी नेताओं को बेचीं

एजेपी अध्यक्ष का आरोप, सीबीआई से जांच कराने की मांग

दिस्पुर।

असम जातीय परिषद (एजेपी) ने गुजरात के गिर से लाई गईं 90 गाय बीजेपी के एक मंत्री की पत्नी, एक सांसद और विधायकों समेत कई व्यक्तियों को बेचे जाने का आरोप लगाया और मामले की सीबीआई जांच की मांग की। पीएम मोदी को लिखे पत्र में एजेपी के अध्यक्ष लुरिनज्योति गोगोई ने असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली असम सरकार पर 2021 में शुरू की गई गोरुखुटी बहुउद्देशीय कृषि परियोजना के तहत बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि असम में हाल ही में घोर अनियमितताएं, सार्वजनिक धन का दुरुपयोग और बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है, साथ ही भारतीय संस्कृति में माता के रूप में पूजी जाने वाली गाय के साथ अपवित्रता व सार्वजनिक विश्वासघात का शर्मनाक कृत्य भी सामने आया है। गोगोई ने कहा कि यह सिर्फ प्रशासनिक विफलता नहीं है, यह अनैतिक, अधार्मिक और अत्यंत अमानवीय कृत्य है, जिसने लाखों लोगों की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक भावनाओं को ठेस पहुंची है। गोगोई ने कहा कि यह मामला जुलाई 2021 में शुरू की गई गोरुखुटी बहुउद्देशीय कृषि परियोजना से संबंधित है, जिसके तहत राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के साथ समझौते के जरिए गुजरात से 300 गिर गाय खरीदी गई थीं। उन्होंने कहा कि अब गंभीर आरोप सामने आए हैं। 2-3 अप्रैल 2022 को रंगिया रेलवे स्टेशन लाए जाने के बाद कुल 90 गिर गायें लापता हो गईं। मुख्यमंत्री और परियोजना अध्यक्ष के विरोधाभासी बयानों ने जनता के संदेह को और गहरा कर दिया है और विश्वास खत्म हो गया है। विपक्षी नेता ने कहा कि असम के लोग पारदर्शिता, जवाबदेही और न्याय के हकदार हैं। उन्होंने कहा कि गाय शुद्धता और मातृत्व की प्रतीक हैं और सत्ता में बैठे लोगों को इन्हें व्यावसायिक इस्तेमाल की वस्तु नहीं बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम आपसे विनम्रतापूर्वक अनुरोध करते हैं कि गोरुखुटी परियोजना के तहत गिर गायों की खरीद, संरक्षण, वितरण और उसके बाद उनकी बिक्री या गायब होने समेत पूरे प्रकरण की सीबीआई जांच कराई जाए।

बीएमसी एडिशनल कमिश्नर से मारपीट मामले में बीजेपी नेता प्रधान गिरफ्तार

पूर्व सीएम पटनायक ने की आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग

भुवनेश्वर।

ओडिशा में भुवनेश्वर नगर निगम (बीएमसी) के एडिशनल कमिश्नर की पिटाई मामले में बीजेपी नेता जगन्नाथ प्रधान ने गुरुवार शाम को पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया।

अब तक इस मामले में 6 लोगों की गिरफ्तार किया जा चुका है। बीजेपी नेता प्रधान ने कहा कि वह जांच में सहयोग करने के लिए आए हैं। अगर मेरी गिरफ्तारी से मामला हल हो जाता है तो मैं तैयार हूं। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें और उनकी पार्टी को बदनाम करने की कोशिश की जा रही है।

बता दें बीजेपी नेता जगन्नाथ प्रधान पर आरोप है कि उनके समर्थकों ने बीएमसी के एडिशनल कमिश्नर रत्नाकर साहू को जनसुनवाई के दौरान दरफ्तर से घसीटा और बाहर लाकर पिटाई की थी।

मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। वीडियो में कुछ लोग साहू को गालियां देते और लात-घूंसे मारते दिख रहे थे।

घटना के बाद मीडिया से बातचीत में एडिशनल कमिश्नर साहू ने कहा था कि वह हमलावरों को नहीं जानते हैं। उन्होंने मेरे साथ हाथापाई की और कार में ले जाने की कोशिश की थी। मैं इसकी सूचना उच्च अधिकारियों को दूंगा। वहीं, बीएमसी के अधिकारियों ने ऑफिस परिसर में धरना-प्रदर्शन किया। पूरे दिन कामकाज नहीं हुआ था। कर्मचारियों की मांग है कि दोषियों की जल्द गिरफ्तार की जाए और सजा दी जाए।

रिपोर्ट्स के मुताबिक एडिशनल कमिश्नर रत्नाकर साहू के चैंबर में 8 बदमाश घुसे और उनके साथ मारपीट करने लगे थे। बदमाशों ने अधिकारी पर हमला क्यों किया, इसको लेकर अभी तक स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। कुछ हमलावरों की पहचान भी कर ली गई है।

ओडिशा के पूर्व सीएम नवीन पटनायक ने सोशल मीडिया पर अधिकारी से मारपीट का वीडियो शेयर किया था। उन्होंने लिखा था- मैं यह वीडियो देखकर हैरान हूं।

अहमदाबाद विमान हादसाः एयर इंडिया परिजनों से मांग रही वित्तीय जानकारी

ब्रिटेन की कानूनी फर्म ने लगाए आरोप, मुआवजा देने से बचना चाहती है एयरलाइन

नई दिल्ली।

अहमदाबाद विमान हादसे में जान गंवाने वाले यात्रियों के परिजन को एअर इंडिया मुआवजा देने से कतरा रही है। यह आरोप 40 से ज्यादा पीड़ित परिवारों का केस लड़ने वाली ब्रिटेन की कानूनी फर्म स्टीवर्ट्स ने लगाए हैं। फर्म के वकील पीटर नीनन ने कहा है कि एअर इंडिया ने मुआवजा देने से पहले परिवारों से कानूनी रूप से संवेदनशील वित्तीय जानकारी मांगी, जिससे उनका हक कम हो सकता है। उधर, एअर इंडिया ने इन आरोपों को खारिज कर दिया है।

वकील नीनन ने कहा कि एअर इंडिया पीड़ित परिवारों के साथ अनैतिक और अपमानजनक व्यवहार कर रही है। एअर इंडिया इस तरह से व्यवहार कर करीब 1,050 करोड़ रुपए बचाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने मामले की जांच की मांग भी की है। वहीं, उन्होंने अपने क्लाइंट्स को सलाह दी है कि वे फॉर्म न भरें और मुआवजा पाने के लिए कानूनी रास्ता अपनाएं।बता दें अहमदाबाद विमान हादसा 12 जून को हुआ था। उस वक्त विमान में 242 लोग सवार थे।

इनमें एक यात्री की जान बच गई थी। इसके अलावा जिस मेडिकल हॉस्टल पर विमान गिरा था, वहां 29 लोगों की भी जान चली गई थी। इस तरह इस हादसे में 270 लोगों की जान गई थी। फर्म के वकील नीनन ने आरोप लगाया कि न तो किसी परिजन को पहले से कोई सूचना दी गई, न ही उन्हें कानूनी सलाह मिली और न ही इन दस्तावेजों की कोई कॉपी उन्हें दी गई है। एअर इंडिया के अधिकारियों ने कुछ परिजन पर फॉर्म भरने का दबाब डाला और उनके घर जाकर पूछने लगे कि फॉर्म क्यों नहीं भरे गए।

परिजनों से कहा गया कि जब तक वे फॉर्म नहीं भरते, उन्हें मुआवजा नहीं दिया जाएगा। जबकि अंतरराष्ट्रीय कानून के मुताबिक एयरलाइन को पहचान और रसीद पर हस्ताक्षर के बाद तत्काल अंतरिम मुआवजा देना होता है, किसी फॉर्म की जरूरत नहीं होती।

वहीं एअर इंडिया ने इन सभी आरोपों को नकारते हुए कहा है कि ये दावे गलत और आधारहीन हैं।

अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर सोशल मीडिया का दुरुपयोग फैशन हो गयाः हाईकोर्ट

प्रयागराज।

सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री और भारतीय सेना के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट करने के आरोपी व्यक्ति की जमानत याचिका खारिज करते हुए इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कहा है कि लोगों के कुछ समूहों के बीच अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की आड़ में सोशल मीडिया का दुरुपयोग करना एक फैशन बन गया है। अदालत ने कहा कि उच्च गणमान्य व्यक्तियों के खिलाफ निराधार आरोप लगाकर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की आड़ में सोशल मीडिया का दुरुपयोग करना कुछ लोगों के समूहों के बीच एक फैशन बन गया है। ऐसे पोस्ट से सौहार्द बिगड़ता है और लोगों के बीच घृणा पैदा होती है।

न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल ने अशरफ खान नाम के व्यक्ति की जमानत याचिका खारिज कर दी। साथ यह भी कहा कि संविधान के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की गारंटी है, लेकिन यह इस हद तक नहीं है कि कोई उच्च गणमान्य व्यक्तियों का अपमान करे और नागरिकों के बीच सौहार्द बिगाड़े। आरोपी अशरफ खान उर्फ निसरत के खिलाफ हाथरस जिले के ससनी पुलिस थाना में बीएनएस की धारा 152 (भारत की संप्रभुता और अखंडता को खतरे में डालने वाला कृत्य) और 197 (राष्ट्रीय एकता को नुकसान पहुंचाने वाले आरोप और दावे) के तहत मामला दर्ज किया गया था।

आरोप है कि अशरफ खान ने हाल ही में भारत पाकिस्तान के बीच टकराव के दौरान अपनी फेसबुक आईडी पर संपादित वीडियो अपलोड किए। एक पोस्ट में पाकिस्तानी वायुसेना जिंदाबाद कहा गया है और भारतीय विमान को पाकिस्तानी विमान द्वारा मार गिराया जा रहा है। साथ ही रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ अन्य आपत्तिजनक पोस्ट भी किए गए। सुनवाई के दौरान, याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि उसका मुवक्किल निर्दोष है और आपत्तिजनक पोस्ट उसके द्वारा आगे नहीं बढ़ाए गए, यद्यपि ये पोस्ट उसके मोबाइल में पाए गए। वहीं दूसरी ओर, राज्य सरकार के वकील ने

दलील दी कि सोशल मीडिया पर कथित पोस्ट ने भारत के लोगों के बीच सौहार्द बिगाड़ा और भारतीय सेना और वायुसेना का अपमान भी किया गया। इसलिए याचिकाकर्ता को जमानत देने का आधार नहीं बनता।

भारत में शैक्षणिक योग्यता के अनुसार काम करने वाले युवाओं की संख्या बहुत कम

नई दिल्ली।

देश में उच्च शिक्षा प्राप्त युवाओं की बढ़ती संख्या के बावजूद उनके लिए उपयुक्त रोजगार के मौके नहीं बन पा रहे हैं। नई रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि भारत के केवल 8.2 प्रतिशत स्नातक ही इसतरह के कार्य कर रहे हैं जो उनकी शैक्षणिक योग्यता के अनुसार हैं। बाकी 50 प्रतिशत से अधिक ग्रेजुएट्स कम-कौशल वाले कार्यों जैसे क्लर्क, मशीन ऑपरेटर और सेल्स वर्कर जैसे पदों पर काम कर रहे हैं। यह आंकड़े पीरियॉडिक लेबर फोर्स सर्वे से लिए गए हैं, जो शिक्षा और रोजगार के बीच गहराते असंतुलन को दिखाते हैं। रिपोर्ट बताती है कि देश में ओवर-क्वालिफिकेशन और अंडर-इम्प्लॉयमेंट की गंभीर समस्या उभर रही है।

रिपोर्ट बताती हैं कि स्किल लेवल 4 की उच्च कौशल वाली नौकरियों में केवल 63.26 प्रतिशत कर्मचारी ही उपयुक्त योग्यता वाले हैं, जबकि 28.12 प्रतिशत कर्मचारी अयोग्य पदों पर कार्यरत हैं। इसके अलावा, इन उच्च स्तर की नौकरियों में काम करने वाले 38.23 प्रतिशत लोग केवल स्नातक स्तर की पढ़ाई कर चुके हैं, जो दर्शाता है कि डिग्री का होना रोजगार की गारंटी नहीं है। इस तरह स्किल लेवल 3 की नौकरियों में भी स्थिति चिंताजनक है। केवल 8.25 प्रतिशत ग्रेजुएट उपयुक्त पदों पर कार्यरत हैं, जबकि शेष आधे से ज्यादा लोग कम-कौशल वाले कार्यों में लगे हैं।

दूसरी ओर, रिपोर्ट में बताया गया है कि स्किल लेवल 2 की नौकरियों में 8.56 प्रतिशत इसतरह के लोग कार्य कर रहे हैं जिनके पास आवश्यक औपचारिक शिक्षा नहीं है। ये लोग संभवतः अनुभव, व्यावसायिक प्रशिक्षण या काम के दौरान सीखे कौशल के आधार पर इन पदों पर हैं।

रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में यह समस्या सबसे ज्यादा है।

संक्षिप्त समाचार

कोलंबिया यूनिवर्सिटी पर साइबर हमला, छात्र डेटा चोरी और नेटवर्क ठप

बोगोटा, एजेंसी। अमेरिका की कोलंबिया यूनिवर्सिटी पर 24 जून को एक राजनीतिक मकसद से किया गया साइबर हमला हुआ, जिसमें हैकर ने बड़ी मात्रा में छात्रों के दस्तावेज चुरा लिए और कुछ समय के लिए यूनिवर्सिटी की कंप्यूटर सेवाएं बंद कर दीं। इस दौरान छात्रों और स्टाफ को ईमेल, ऑनलाइन क्लास और वीडियो कॉल सेवाओं से कई घंटों तक बाहर कर दिया गया। हमले के दिन यूनिवर्सिटी परिसर के कई सार्वजनिक स्क्रीन पर अचानक पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुस्कुराती हुई तस्वीरें दिखने लगीं। हालांकि, यह साफ नहीं है कि ट्रंप की तस्वीरें इस डेटा चोरी से जुड़ी थीं या नहीं। यूनिवर्सिटी के प्रवक्ता ने बताया कि यह हमला एक हैक्टिविस्ट (राजनीतिक मकसद वाला हैकर) द्वारा किया गया, जिसने निजी छात्र रिकॉर्ड तक पहुंच बनाई। उसका मकसद किसी राजनीतिक एजेंडे को आगे बढ़ाना बताया गया है। फिलहाल यूनिवर्सिटी जांच कर रही है कि कितनी जानकारी चोरी हुई और किस पर असर पड़ा। यह हमला ऐसे वक्त में हुआ है जब ट्रंप प्रशासन ने कोलंबिया यूनिवर्सिटी पर यह आरोप लगाया है कि वह यहूदियों (छ्वद्ग2द्बह्यद्ध छात्रों) की सुरक्षा नहीं कर पा रही, और इसके चलते 400 मिलियन (करीब 3,300 करोड़ रुपये) की संघीय फंडिंग रोकने की धमकी दी गई है। यूनिवर्सिटी और सरकार के बीच समझौते को लेकर बातचीत जारी है।

गाजा से रिहा हुए आखिरी अमेरिकी बंधक एडन अलेक्जेंडर से व्हाइट हाउस में मिलेंगे डोनाल्ड ट्रंप और मेलानिया

गाजा , एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी पत्नी मेलानिया ट्रंप गुरुवार को व्हाइट हाउस में एडन अलेक्जेंडर से मुलाकात करेंगे, जो गाज़ा से रिहा होने वाले अंतिम जीवित अमेरिकी बंधक हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने बयान में कहा, राष्ट्रपति और फर्स्ट लेडी पहले भी गाज़ा से रिहा हुए कई बंधकों से मिल चुके हैं, और वे एडन अलेक्जेंडर और उनके परिवार से ओवल ऑफिस में मिलने को लेकर उत्साहित हैं। एडन अलेक्जेंडर, ज अब 21 साल के हैं, न्यू जर्सी के रहने वाले अमेरिकी-इजराइली नागरिक हैं। उन्होंने 2022 में हाई स्कूल के बाद इजराइल जाकर सेना में भर्ती ली थी। अक्टूबर 2023 में जब हमास के आतंकियों ने उनकी सेना की चौकी पर हमला किया, तब वह 19 साल के थे। हमास ने उन्हें बंधक बनाकर गाजा ले जाया।

तुर्किये में पैंगबर मोहम्मद के कार्टून पर बवाल, 4 गिरफ्तार

अंकारा , एजेंसी। तुर्किये में पैंगबर मोहम्मद के कार्टून पर बवाल मच गया है। कार्टून के विरोध में पूरे तुर्किये में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। विवाद बढ़ने के बाद कोर्ट के आदेश पर बुधवार को कार्टूनिस्ट डोगन पेहलवन समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। मंत्री यिलमाज तुनक ने बताया कि राष्ट्रपति रेसेप तय्यिप एर्दोआन ने कार्टून की कड़ी निंदा की थी। डोगन पर अपने कार्टून से नफरत फैलाने और राष्ट्रपति का अपमान करने के आरोप हैं, हालांकि उन्होंने इससे इन्कार किया है।

यूरोप में भीषण गर्मी जारी, स्पेन के जंगल में लगी आग से दो किसानों की मौत

मैड्रिड, एजेंसी। यूरोप में चल रही भीषण गर्मी के कारण स्पेन के उत्तर-पूर्वी इलाके कैटलोनिया में मंगलवार रात एक भयानक जंगल की आग भड़क उठी। इस आग ने अब तक 6,500 हेक्टेयर (लगभग 16,000 एकड़) गेहूं के खेत को जलाकर राख कर दिया है। यह आग इतनी बड़ी थी कि इससे उठने वाला धुआं और राख का गुबार आसमान में 14,000 मीटर तक फैल गया। स्थानीय प्रशासन ने बताया कि आग से बचने की कोशिश में दो किसानों की मौत हो गई, जो वाहन से भागने की कोशिश कर रहे थे। कैटलोनिया के क्षेत्रीय प्रमुख सल्वादोर इला ने कहा कि आज की जंगल की आग पहले जैसी नहीं रही। ये बेहद खतरनाक हैं। शुरुआत से ही ये आग नियंत्रण से बाहर थी, यहां तक कि अगर तीन गुना ज्यादा दमकलकर्मी होते, तब भी इसे बुझा पाना मुश्किल था। मंगलवार रात आई एक बारिश ने हालात सुधारने में मदद की और आग को स्थिर करने में तेजी लाई। हालांकि, इस दौरान दो दमकलकर्मी घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया।

अमेरिका में ट्रंप का शरणार्थियों पर लगाया गया प्रतिबंध अवैध करार

वाशिंगटन, एजेंसी। एक अमेरिकी संघीय न्यायाधीश ने बुधवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अमेरिका-मेक्सिको सीमा पर शरण पाने पर लगाए गए प्रतिबंध को गैरकानूनी करार दिया है। यह फैसला ट्रंप की आव्रजन (माइग्रेशन) पर सख्ती की योजना के एक अहम हिस्से को झटका देने वाला माना जा रहा है। हालांकि, न्यायाधीश ने अपने फैसले को 16 जुलाई तक के लिए रोक दिया है, ताकि सरकार अपील कर सके। दरअसल, ट्रंप ने 20 जनवरी को एक आदेश जारी कर कहा था कि दक्षिणी सीमा पर हो रही गतिविधि अमेरिका पर आक्रमण के समान है। इसलिए उन्होंने सीमा पर आने वाले प्रवासियों के प्रवेश और उन्हें शरण देने की प्रक्रिया को रोक दिया था।

शुभांशु के बाद अब अनिल मेनन भी जाएंगे अंतरिक्ष स्टेशन, 8 महीने बिताएंगे

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की स्पेस एजेंसी नासा जून 2026 में अपना पहला स्पेस स्टेशन मिशन लॉन्च करने जा रही है जिसके लिए भारतीय मूल के अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन का चयन हुआ है। मेनन जून 2026 में रूसी अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कॉसमॉस के सोयूज एमएस-29 यान से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए उड़ान भरेंगे। इस मिशन में वे फ्लाइट इंजीनियर और एक्सपीडिशन 75 के क्रू सदस्य के रूप में शामिल होंगे। इस अभियान में रोस्कॉसमॉस के दो अंतरिक्ष यात्री भी शामिल रहेंगे। टीम आठ महीनों तक आईएसएस में अनुसंधान करेगी। अनिल की पत्नी अन्ना मेनन भी अंतरिक्ष मिशन से जुड़ी हैं। वे 2024 में एक निजी स्पेसवॉक मिशन में शामिल हुई थीं। वे स्पेसएक्स में प्रमुख अंतरिक्ष संचालन इंजीनियर हैं। बच्चों के लिए किसेस फ्रॉम स्पेस किताब लिख चुकी हैं। मेनन को 2021 में नासा ने अंतरिक्ष यात्री चुना था। मिनियापोलिस में जन्मे और पले-बढ़े मेनन आपातकालीन चिकित्सा विशेषज्ञ, मैकेनिकल इंजीनियर और स्पेस फोर्स के कर्नल हैं। उनके पिता भारतीय और मां यूक्रेनी मूल की हैं।

कौन हैं अनिल मेनन : अनिल मेनन साल 2021 में नासा के अंतरिक्ष यात्री के तौर पर चयनित हुए थे। मेनन ने साल 2024 में 23वीं एस्ट्रोनॉट कक्षा से स्नातक किया था। अपनी अंतरिक्षयात्री की ट्रेनिंग पूरी करने के बाद ही अनिल मेनन ने अपने पहले अंतरिक्ष मिशन की तैयारी शुरू कर दी थी। अनिल मेनन का जन्म अमेरिका के मिनियोपोलिस में हुआ और वे वहीं पले-बढ़े हैं। मेनन पेशे से एक आपातकालीन मेडिसिन फिजीशियन और मैकेनिकल इंजीनियर हैं। वे अमेरिका की स्पेस फोर्स में कर्नल के पद पर भी तैनात हैं। अनिल मेनन के माता-पिता भारतीय और यूक्रेनी मूल के हैं। मेनन के पास हार्वर्ड यूनिवर्सिटी से न्यूरोबायोलॉजी की डिग्री है। उन्होंने कैलिफोर्निया की स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी से मैकेनिकल इंजीनियर और मेडिकल की भी डिग्री हासिल की है। मेनन ने स्टैनफोर्ड से आपातकालीन मेडिसिन और एयरोस्पेस मेडिसिन की पढ़ाई की और वे टेक्सास मेडिकल सेंटर के मेमोरियल हर्मन अस्पताल में आपात मेडिसिन विभाग में बतौर डॉक्टर काम करते हैं। मेनन यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास में डॉक्टर्स को पढ़ाते भी हैं। मेनन ने मस्क की कंपनी स्पेसएक्स में पहले फ्लाइट सर्जन के रूप में भी काम किया और ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट के पहले क्रू की भी लॉन्चिंग में मदद की। स्पेसएक्स के मेडिकल संगठन से भी मेनन जुड़े हैं, जो भविष्य में अंतरिक्ष यात्रियों की मदद के लिए काम करता है। करीब 25 वर्षों से वैज्ञानिक और अंतरिक्षयात्री अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन पर रहकर शोध कार्य कर रहे हैं ताकि भविष्य में इन शोध का फायदा धरती पर भी लोगों को मिल सके। नासा चंद्रमा और नासा मिशन के लिए काम कर रहा है। साथ ही पृथ्वी की निचली कक्षा में भी व्यापारिक अवसर देख रहा है।

एस्टोनिया में रेस्तरां और सुपरमार्केट में आग लगाने की साजिश का खुलासा

टालिन, एजेंसी। एस्टोनिया की एक अदालत ने बुधवार को कहा कि पिछले साल एक रेस्तरां और सुपरमार्केट में आग लगाने की घटना रूस की खुफिया एजेंसी जीआरयू द्वारा करवाई गई थी। यह हमला यूरोप में हुई कई ऐसी घटनाओं में से एक है, जिनके पीछे रूस का हाथ होने का शक पश्चिमी देशों ने जताया है। इन घटनाओं का मकसद पश्चिमी देशों के भीतर डर और अस्थिरता फैलाना और यूक्रेन के समर्थन को कमजोर करना है।

दो मौल्दोवा नागरिकों को सजा : एस्टोनिया के हरजु काउंटी कोर्ट ने बताया कि इस आगजनी की घटना को दो मौल्दोवा के नागरिकों ने अंजाम दिया। दोनों आपस में चचेरे भाई हैं और दोनों का नाम इवान चिहाईल है। एक को 6 साल 6 महीने की सजा दी गई है। दूसरे को 2 साल 6 महीने की सजा मिली है, क्योंकि वह सिर्फ साथ था लेकिन उसे जीआरयू के बारे में जानकारी नहीं थी।

आग कैसे लगाई गई थी : कोर्ट ने बताया कि जनवरी 2024 में पहले आरोपी ने जीआरयू के कहने पर ट्रायल के तौर पर दक्षिण-पूर्वी एस्टोनिया के ओसूला गांव में एक सीओ -ओपी सुपरमार्केट में आग लगाई। अगले दिन उसे राजधानी टालिन में स्लावा यूक्राइना नामक रेस्तरां को जलाने का आदेश मिला। 31 जनवरी की रात, दोनों भाइयों ने मिलकर रेस्तरां की खिड़की तोड़ी, पेट्रोल डाला, एक बैग में पेट्रोल कैन रखकर उसमें आग लगाई और फिर देश से भाग निकले।

प्रिंस विलियम और प्रिंसेस केट मिडलटन के अधिकार बढ़े, रॉयल वारंट जारी करने की मिली शक्ति

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के राजकुमार विलियम और राजकुमारी केट मिडलटन को राजा चार्ल्स ने नए अधिकार और शक्तियां दी हैं। किंग चार्ल्स ने दोनों को रॉयल वारंट जारी करने की शक्ति दी है। शाही परिवार को सामान की आपूर्ति करने वाली और सेवा देने वाली कंपनियों या व्यक्ति विशेष को यह सम्मान दिया जाता है। अभी तक प्रिंस विलियम और केट मिडलटन के पास यह शक्ति नहीं थी।

केट मिडलटन को 115 साल के इतिहास में पहली बार मिला ये अधिकार : रॉयल परिवार की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, केट मिडलटन पहली राजकुमारी हैं, जिन्हें 115 साल के इतिहास में पहली बार रॉयल वारंट जारी करने की शक्ति मिली है। केट मिडलटन से पहले क्वीन मैरी के पास ये शक्ति थि। क्वीन मैरी के पति जॉर्ज पंचम 1910 में ब्रिटेन के राजा बने थे। साल 1980 में प्रिंस ऑफ वेल्स रहते हुए किंग चार्ल्स को यह अधिकार मिला था। हालांकि उनकी तत्कालीन पत्नी राजकुमारी डायना को यह अधिकार नहीं मिला था। प्रिंस ऑफ वेल्स के निजी सचिव सर इयान पैट्रिक ने भी प्रिंस विलियम और प्रिंसेस केट मिडलटन को रॉयल वारंट जारी करने की शक्ति मिलने की पुष्टि की। जिनके पास अभी रॉयल वारंट है, वे इस महीने के अंत तक इसे फिर से रिन्यू कराया जा सकेगा। वहीं जो नए रॉयल वारंट के लिए आवेदन करना चाहते हैं, वे अगले साल की शुरुआत में आवेदन कर सकेंगे। रॉयल वारंट के लिए आवेदन करने वाली कंपनी को पांच या सात साल के लिए शाही परिवार को सेवा प्रदान करनी होती है। रॉयल वारंट एक सम्मान है।

कमला हैरिस बन सकती हैं कैलिफोर्निया की गवर्नर, सर्वे में मिली जबरदस्त बढ़त

कैलिफोर्निया, एजेंसी। अमेरिका की पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस अगर 2026 में कैलिफ़ोर्निया की गवर्नर रेस में उतरती हैं तो उन्हें पहले से ही मजबूत जन समर्थन हासिल है। यह दावा यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफ़ोर्निया, इरविन के स्कूल ऑफ सोशल इकोलॉजी द्वारा जारी एक नए सर्वे में किया गया है। कमला हैरिस को डेमोक्रेटिक प्रत्याशियों में 24प्रतिशत वोटरों का समर्थन मिला है। दूसरे स्थान पर रियल एस्टेट कारोबारी रिक कारुसो हैं, जिन्हें सिर्फ 9प्रतिशत समर्थन मिला। 40प्रतिशत मतदाता अभी अपना मत तय नहीं कर पाए हैं। एक अनाम रिपब्लिकन के खिलाफ हैरिस को 41प्रतिशत समर्थन मिलता दिख रहा है। वहीं 29प्रतिशत मतदाता रिपब्लिकन के पक्ष में हैं, 16प्रतिशत ने अपना स्टैंड अभी साफ नहीं किया है। 14प्रतिशत वोटर वोट नहीं देंगे। कमला हैरिस ने अभी तक आधिकारिक रूप से चुनाव लड़ने की घोषणा नहीं की है, लेकिन वह जुलाई-अगस्त के अंत तक निर्णय लेने की तैयारी में हैं। उन्होंने अपने पुराने समर्थकों से बातचीत शुरू कर दी है। हालांकि, कुछ लोग 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में उनकी हार को देखते हुए संकोच में हैं।

म्यांमार में सुबह-सुबह 4.1 की तीव्रता से कांपी धरती, भूकंप के झटकों से दहशत में आए लोग

नाएप्यीडॉ , एजेंसी। म्यांमार में गुरुवार को सुबह-सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 4.1 मापी गई। भूकंप के झटके इतने तेज थे कि लोग दहशत में आए गए और अपने घरों से बाहर आ गए। सड़कों पर लोगों के बीच अफरातफरी देखी गई। नेशनल सेंटर ऑफ सीस्मोलॉजी की रिपोर्ट के अनुसार, गुरूवार सुबह 6.10 बजे आए भूकंप का केंद्र 10 किमी की उथली गहराई पर था।

एनसीएस के मुताबिक, उथले भूकंप आमतौर पर गहरे भूकंपों की तुलना में अधिक खतरनाक होते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि उथले भूकंपों से भूकंपीय तरंगों को सतह तक आने के लिए कम दूरी होती है, जिसके कारण जमीन में अधिक कंपन होता है और संभावित रूप से संरचनाओं को अधिक नुकसान होता है।

बता दें कि म्यांमार मध्यम और बड़ी तीव्रता के भूकंपों के खतरों के प्रति संवेदनशील है। यहां अक्सर भूकंप आते रहते हैं। इससे पहले 1 जुलाई को रिक्टर स्केल पर 4.2 तीव्रता का एक और भूकंप 135 किलोमीटर की गहराई पर आया था। इसी साल 28 मार्च को 7.7 तीव्रता के भूकंप ने म्यांमार में भीषण तबाही मचाई थी। इस भूकंप में 3500 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। भूकंप का केंद्र मेंडले और सेगेंग शहरों की सीमा पर जमीन के 10 किलोमीटर भीतर था। भूकंप के चलते बुनियादी ढांचे, सड़कें और रिहायशी इमारतों को भारी नुकसान हुआ। भूकंप के झटके न सिर्फ म्यांमार बल्कि पड़ोसी देशों में भी महसूस किए गए। थाईलैंड का चियांग मेई शहर में भी इस भूकंप के चलते काफी नुकसान हुआ।

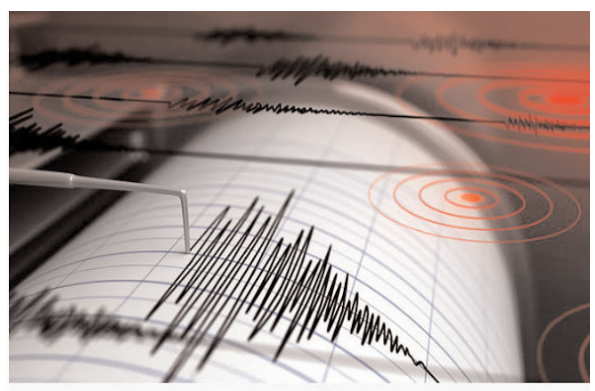

जानें क्यों आता है भूकंप? धरती मुख्य तौर पर चार परतों से बनी होती हैं। इनर कोर, आउटर कोर, मैनटल और क्रस्ट। क्रस्ट और ऊपरी मैन्टल कोर को लिथोस्फेयर कहते हैं। ये 50 किलोमीटर की मोटी परत कई वर्गों में बंटी हुई है जिसे टेक्टोनिक प्लेट्स कहते हैं। ये टेक्टोनिक प्लेट्स अपनी जगह पर कंपन करती रहती हैं और जब इस प्लेट में बहुत ज्यादा कंपन हो जाती हैं, तो भूकंप महसूस होता है। भूकंप के केंद्र और तीव्रता का क्या मतलब है? भूकंप का केंद्र वह स्थान होता है जिसके ठीक नीचे प्लेटों में हलचल से धरती हिलने लगती है। इस स्थान पर या इसके आसपास के क्षेत्रों में भूकंप का असर ज्यादा होता है। अगर रिक्टर स्केल पर 7 या इससे अधिक की तीव्रता वाला भूकंप है तो आसपास के 40 किमी के दायरे में झटका तेज होता है।

दिल्ली से वॉशिंगटन जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट में तकनीकी खराबी, वियना में रोकने के बाद की गई रद्द

वियना, एजेंसी। दिल्ली से वॉशिंगटन जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट में अचानक तकनीकी खराबी आ गई। वियना में ईंधन भरने के लिए फ्लाइट के ठहराव के बाद खराबी का पता चला। इसके बाद फ्लाइट को रद्द कर दिया। एयरलाइन ने विमान से वॉशिंगटन के लिए यात्रा कर रहे यात्रियों को वियना में उतारकर वैकल्पिक सुविधा के जरिये यात्रा कराई गई। साथ ही पूर्ण धनवापसी की पेशकश की गई। इसके अलावा एअर इंडिया की वॉशिंगटन डीसी से वियना के रास्ते नई दिल्ली आने वाली फ्लाइट को भी रद्द कर दिया गया।

एअर इंडिया के प्रवक्ता ने बताया कि दो जुलाई को नई दिल्ली से वॉशिंगटन डीसी जा रहे विमान संख्या-द्ध103 को वियना में ईंधन भरने के लिए रोका गया था। ईंधन भरने के दौरान नियमित जांच के वक्त विमान तकनीकी खराबी का पता लगा। इस खराबी को ठीक करने के लिए अतिरिक्त समय की जरूरत थी। इसके कारण विमान की वियना से वाशिंगटन डीसी तक की यात्रा रद्द कर दी गई और यात्रियों को उतार दिया गया।

वीजा-मुक्त प्रवेश के लिए पात्र यात्रियों या वैध शेंगेन वीजा वाले यात्रियों को अगली उपलब्ध उड़ान तक वियना में होटल में रहने की सुविधा प्रदान की गई। जबकि प्रवेश की अनुमति के बिना वाले यात्रियों के लिए ऑस्ट्रियाई अधिकारियों की ओर से आव्रजन और सुरक्षा मंजूरी मिलने तक रहने की व्यवस्था की जा रही है।

इसके बाद वॉशिंगटन डीसी से वियना होते हुए दिल्ली जाने वाली उड़ान AIv04 भी रद्द कर दी गई और प्रभावित यात्रियों को दिल्ली के लिए वैकल्पिक उड़ानों में बुक किया गया। साथ ही उनकी प्राथमिकताओं के आधार पर पूरा रिफंड दिया गया। एअर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि असुविधा के लिए गहरा खेद है और वह सभी यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा को प्राथमिकता देने के लिए प्रतिबद्ध है। यह निर्णय उड़ान से पहले सुरक्षा जांच पहल के तहत लिया गया था।

एअर इंडिया और इसकी सहायक कंपनी एअर इंडिया एक्सप्रेस रोज 1100 से अधिक उड़ानें संचालित करती है। इसमें 150,000 से अधिक यात्री यात्रा करते हैं। एयरलाइन ने हवाई क्षेत्र बंद होने, यूरोप और पूर्वी एशिया में हवाईअड्डों पर प्रतिबंध और हवाई यातायात की भीड़ जैसे कारकों के कारण चुनौतियों को स्वीकार किया। एअर इंडिया ने पहले घोषणा की थी कि वह सुरक्षित संचालन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को बनाए रखने के लिए स्वेच्छा से बढ़ी हुई उड़ान पूर्व सुरक्षा जांच करेगी और सेवाओं को अस्थायी रूप से कम करेगी।

इंडोनेशिया के बाली द्वीप के पास जहाज डूबा, 65 लोगों को ले जा रहा था, 4 की मौत, 38 लापता

बाली, एजेंसी। इंडोनेशिया के बाली रिसॉर्ट द्वीप के पास गुरुवार को 65 लोगों को ले जा रही एक जहाज के डूबने से 4 लोगों की मौत हो गई और 29 को बचा लिया गया है। जबकि 32 लोग अब भी लापता हैं। केएमपी टुनु प्रतामा जया नामक ये जहाज पूर्वी जावा के केतापांग बंदरगाह से बाली के गिलिमानुक बंदरगाह जा रही थी, यह 50 किलोमीटर का सफर था। रवाना होने के करीब 30 मिनट बाद यह डूब गई। जहाज पर करीब 53 यात्री और 12 चालक दल के सदस्य सवार थे, साथ ही 22 वाहन भी थे, जिनमें कई ट्रक भी शामिल थे। स्थानीय पुलिस और जांच एजेंसी जहाज के डूबने के कारणों का पता कर रही है।

लापता लोगों की तलाश कर रही एजेंसी : सुरबाया बचाव एजेंसी ने गुरुवार को एक बयान में कहा- जहाज स्थानीय समयानुसार रात के लगभग 11 बजकर 20 मिनट पर डूबी। बचाव के लिए नौ बोट जिनमें टगबोट और इन्फ्लेटेबल जहाज शामिल हैं, सक्रिय रूप से लापता लोगों की तलाश कर रही हैं। दो मीटर तक ऊंची लहरों के कारण बचाव दल को लोगों को ढूंढने में परेशानी हो रही है। राष्ट्रीय खोज और बचाव एजेंसी का कहना है कि जब तक सभी लापता लोगों का पता नहीं चल जाता, तब तक प्रयास जारी रहेंगे।

3 जनवरी को बोट डूबने से 8 की मौत हुई थी : इंडोनेशिया के मालुकु में 3 जनवरी 2025 को एक स्पीडबोट 2 नोना डूब गई थी। यह बोट सेराम भागियन बारात से अम्बोन जा रही थी। रास्ते में यह एक तैरते लकड़ी के लट्ठे से टकरा गई, जिससे इसका पतवार टूट गया और यह डूब गई। बोट में 30 यात्री सवार थे, जिनमें से 8 की मौत हो गई और कई गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष लेयेन की बढ़ीं मुश्किलें, सांसदों ने पेश किया अविश्वास प्रस्ताव; 10 जुलाई को मतदान

ब्रुसेल्स, एजेंसी। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन की मुश्किलें बढ़ गई हैं। लेयेन के खिलाफ दक्षिणपंथी यूरोपीय सांसदों ने अविश्वास प्रस्ताव पेश किया है। इस प्रस्ताव पर 10 जुलाई को मतदान होगा। हालांकि अविश्वास प्रस्ताव के असफल होने की संभावना है। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन पर कोविड टीकों की खरीद मामले और रोमानिया के राष्ट्रपति चुनाव में हस्तक्षेप करने के आरोप लगे हैं। इसके बाद लेयेन के खिलाफ यूरोपीय सांसदों ने अविश्वास प्रस्ताव पेश किया है। इस प्रस्ताव पर मतदान की तिथि तय करने के लिए जरूरी कम से कम 72 सांसदों के हस्ताक्षर हो चुके हैं। अब सांसद सोमवार को स्ट्रासबर्ग में अविश्वास प्रस्ताव पर बहस करेंगे। अविश्वास प्रस्ताव लाने वाले रोमानिया एमईपी घोरघे पिपेरेया ने कोविड के दौरान फाइजर की सीईओ अल्बर्ट बौर्ला के साथ चैट को लेकर वॉन डेर लेयेन की पारदर्शिता की कमी की आलोचना की। पिपेरेया ने यूरोपीय आयोग पर रोमानिया के राष्ट्रपति चुनाव में हस्तक्षेप करने का भी आरोप लगाया। हालांकि लेयेन के अविश्वास प्रस्ताव हारने की संभावना कम हैं। क्योंकि पिपेरेया की अपनी ही पार्टी ईसीआर ने पहले ही अविश्वास प्रस्ताव से खुद को अलग कर लिया है। पार्टी के प्रवक्ता ने कहा कि यह हमारी पहल नहीं है। प्रस्ताव को पारित कराने के लिए पूर्ण बहुमत यानि 720 में 361 वोटों की जरूरत होगी। 2024 में उर्सुला वॉन डेर लेयेन यूरोपीय आयोग की दूसरी बार अध्यक्ष बनीं थीं। टीका मामले में लगे यह आरोप साल 2021 में यूरोपीय संसद के कुछ सदस्यों ने यूरोपीय आयोग से कोविड टीकों को लेकर समझौतों का पूरा विवरण मांगा था, लेकिन आयोग केवल कुछ अनुबंधों और दस्तावेजों तक आंशिक पहुंच प्रदान करने के लिए सहमत हुआ, जिन्हें संशोधित संस्करणों में ऑनलाइन रखा गया था। इसने यह बताने से भी इनकार कर दिया कि उसने अरबों खुराकों के लिए कितना भुगतान किया, यह तर्क देते हुए कि गोपनीयता कारणों से अनुबंधों को संरक्षित किया गया था। इस पर यूरोपीय संघ की अदालत ने भी कहा था कि यूरोपीय आयोग ने महामारी के दौरान दवा कंपनियों के साथ किए गए कोविड-19 वैक्सीन खरीद समझौतों के बारे में जनता को पर्याप्त जानकारी नहीं दी।

ऑस्ट्रेलिया में साइबर अपराध, एयरलाइन ग्राहकों का डाटा चोरी : कैनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई एयरलाइन क्वांटास ने कहा है कि साइबर अपराधियों ने उसके ग्राहकों का डाटा चोरी किया है। कंपनी की तरफ से जारी एक बयान के मुताबिक एक हैकर ने यात्रियों के नाम, ईमेल, फोन नंबर, जन्मतिथि और फ्रीक्वेंट फ्लायर नंबर जैसे निजी डाटा चुराए हैं। बुधवार को जारी बयान के मुताबिक अपराधी ने सोमवार को उसके एक कॉल सेंटर को निशाना बनाया। कंपनी के पास करीब 60 मिलियन यात्रियों का रिकॉर्ड है। क्वांटास ने इस मामले में ग्राहकों से माफी मांगी है। कंपनी ने कहा, जिस सिस्टम में सेंध लगाई गई थी, उसमें क्रेडिट कार्ड और पासपोर्ट विवरण या अन्य व्यक्तिगत वित्तीय जानकारी नहीं थी। ऑस्ट्रेलिया की सबसे बड़ी एयरलाइन क्वांटास ने कहा कि साइबर अपराधियों के इस कृत्य के बाद विमान परिचालन या सुरक्षा पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। सीईओ वैनेसा हडसन ने कहा कि सुरक्षा उपायों को और कड़ा कर दिया गया है। ऑस्ट्रेलियाई साइबर और डाटा गोपनीयता प्राधिकरणों और संघीय पुलिस को इसकी सूचना दे दी गई है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत मॉडल आत्महत्या मामला

मेरी बेटी ने सच्चा प्यार किया लेकिन चिंतन ने उसका फायदा उठाया-अंजलि की मां

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में रहने वाली और मॉडलिंग करने वाली अंजलि वर्मोरा नाम की युवती ने 7 जून को अपने ही घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। इस आत्महत्या के मामले में अब एक नया मोड़ आया है। अंजलि की मां दक्षाबेन वर्मोरा ने बेटी के प्रेमी चिंतन अग्रावत पर गंभीर आरोप लगाए हैं, जिसके आधार पर पुलिस ने चिंतन के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने और अत्याचार (Atrocity Act) का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दक्षाबेन वर्मोरा ने बताया कि उनकी बेटी अंजलि और चिंतन के बीच पिछले चार सालों से प्रेम संबंध था। अंजलि चिंतन से शादी करना चाहती थी। यहां तक कि उसने शादी के लिए मंगलसूत्र, कपड़े और अन्य सामान भी खरीद लिया था। लेकिन चिंतन बार-बार कोई न कोई बहाना बनाकर शादी टालता रहा।

परिवार ने बताया कि अंजलि और चिंतन के बीच अक्सर झगड़े होते थे। चिंतन उसे मानसिक, शारीरिक और आर्थिक रूप से प्रताड़ित करता था। आत्महत्या करने से पहले अंजलि ने चिंतन से करीब 16 मिनट तक फोन पर बातचीत की थी। यह बातचीत भी अब जांच का हिस्सा बन गई है।

अंजलि की मां का यह भी आरोप है कि चिंतन ने अंजलि को फिजियोथेरेपी की पढ़ाई के दौरान मॉडलिंग में धकेला। उसने अंजलि के बैंक खाते का भी इस्तेमाल किया। शादी की बात पर कभी जाति का बहाना बनाया, तो कभी अपनी मां की बीमारी का।

अंजलि के परिवारवालों ने उसे चिंतन से रिश्ता खत्म करने के लिए समझाने की भी कोशिश की थी, लेकिन वह चिंतन से बेहद प्यार करती थी। अंजलि ने शादी की सारी तैयारी खुद करने की ठानी थी ताकि मां को परेशानी न हो। अंजलि ने शादी के लिए मंगलसूत्र, चप्पल, ड्रेस, हाथों की चूड़ियां और गणपति की छोटी मूर्ति तक खरीद ली थी। वह अपनी मां से कहती थी कि "मैं अभी से शादी की तैयारी कर रही हूं ताकि आपको ज्यादा परेशानी न हो।"

अब अंजलि की मां और पूरा परिवार न्याय की मांग कर रहा है और चाहता है कि चिंतन को कड़ी से कड़ी सजा मिले, ताकि अंजलि को इंसाफ मिल सके। पुलिस ने मामले में गंभीरता से जांच शुरू कर दी है।

वडोदरा की दूसरी स्कूल को RDX से उड़ाने की धमकी

सिग्नस के बाद अब D.R. अमीन स्कूल को मिला धमकी भरा ई-मेल, पुलिस मौके पर पहुंची

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वडोदरा शहर में स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकियों का सिलसिला लगातार जारी है। हरनी क्षेत्र की सिग्नस स्कूल के बाद अब अकोटा क्षेत्र स्थित ष्ठ.क्र अमीन स्कूल को भी RDX से उड़ाने की धमकी वाला ई-मेल प्राप्त हुआ है। जैसे ही स्कूल प्रशासन को ई-मेल मिला, पुलिस की टीमें तत्काल मौके पर पहुंच गईं।

DCP ज़ोन 2 ने बताया कि इस ई-मेल का कंटेंट पहले मिले धमकीभरे ई-मेल जैसा ही है। इस बार मेल में धमकी च्मद्रास टाइगर्सज्ञ नाम से दी गई है, जो कि पहले की तुलना में एक नया नाम है।

ई-मेल सामने आने के बाद पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी, बम डिस्पोजल स्क्वॉड और डॉग स्क्वॉड की टीमें तुरंत स्कूल पहुंचीं और पूरे परिसर में गहन जांच और तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है।

गौरतलब है कि पिछले 12 दिनों में वडोदरा की चार अलग-अलग स्कूलों को इस तरह की धमकी मिल चुकी है, जिससे सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह अलर्ट पर हैं। पुलिस इस पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही है और ई-मेल भेजने वालों की तलाश में सक्रिय रूप से लगी हुई है।

ई-मेल में साफ तौर पर लिखा गया था कि "स्कूल में RDX लगाया गया है और पूरी स्कूल को उड़ा देंगे।" इस धमकी के बाद स्कूल प्रशासन ने फौरन सभी अभिभावकों को सूचित किया और बच्चों को सुरक्षित उनके घर भेज दिया गया। इससे अभिभावकों में भय और चिंता का माहौल फैल गया।

यह घटना ऐसे समय पर सामने आई है जब स्कूल को भी एक दिन पहले इसी तरह की धमकी मिली थी। उसके बाद अब रिफाइनरी क्षेत्र की एक CBSE स्कूल को भी बम से उड़ाने की धमकी वाला ई-मेल मिला है। बताया गया कि उस ई-मेल में बम लगाए जाने की बात कही गई थी। सूचना मिलते ही पुलिस और बम स्क्वॉड टीम स्कूल में जांच के लिए पहुंची और सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया।

पहले नवrachna और रिफाइनरी CBSE स्कूल को "उमर फारुक" नाम से धमकी मिली थी, जबकि अब सिग्नस और D.R. अमीन स्कूल को "मद्रास टाइगर्स" के नाम से धमकीभरा ई-मेल भेजा गया है।

पुलिस पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही है और लगातार मिल रही इस तरह की धमकियों को लेकर गंभीर कदम उठाने की तैयारी में है।

उधना रेलवे स्टेशन पर RPF जवान की नियमों के खिलाफ ड्राइविंग

प्लेटफॉर्म नंबर 6 पर बाइक चलाता वीडियो वायरल रेलवे प्रशासन ने दिए जांच के आदेश

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के उधना रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 6 पर एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां रेलवे सुरक्षा बल (RPF) का एक जवान प्लेटफॉर्म पर बाइक चलाता हुआ नजर आया। इस घटना का वीडियो वायरल हो गया है, जिससे यात्रियों और स्थानीय लोगों में हैरानी और चर्चा का माहौल बन गया है।

क्योंकि रेलवे प्लेटफॉर्म पर किसी भी प्रकार का वाहन चलाना नियमों के खिलाफ है और यह यात्रियों की सुरक्षा के लिए खतरा बन सकता है। वीडियो वायरल होने के बाद रेलवे प्रशासन ने मामले की विभागीय जांच के आदेश दे दिए हैं और आने वाले दिनों में कड़ी कार्रवाई की संभावना जताई गई है।

मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना उधना रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 6 पर हुई, जो पहले से ही यात्रियों की भीड़ और सीमित सुविधाओं के कारण चर्चा में रहता है। RPF जवान द्वारा प्लेटफॉर्म पर बाइक चलाना न केवल यात्रियों की सुरक्षा के लिए जोखिमपूर्ण है, बल्कि रेलवे प्रशासन की जिम्मेदारी और अनुशासन पर भी सवाल खड़े करता है।

घटना को लेकर कई यात्रियों ने नाराजगी जाहिर की है और रेलवे प्रशासन से इस मामले में उचित जांच की मांग की है। यह मामला रेलवे स्टेशनों पर अनुशासन और सुरक्षा मानकों के महत्व को उजागर करता है। उधना स्टेशन, जो सूरत के मुख्य रेलवे स्टेशनों में से एक है, वहां ऐसी घटनाएं यात्रियों में असुरक्षा की भावना पैदा कर सकती हैं।

जैसे ही प्लेटफॉर्म पर बाइक चलाते जवान का वीडियो वायरल हुआ, रेलवे विभाग ने तत्काल जांच शुरू कर दी है। वीडियो फुटेज के आधार पर रिपोर्ट तैयार की जा रही है, और आने वाले दिनों में संबंधित RPF जवान के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सकती है।

स्मार्ट सिटी होने का दावा,लेकिन हालात गांव जैसे

बारिश ने खोल दी प्री-मानसून कार्यों की पोल सड़कों और गटरों में पानी, वाहन फंसे

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में जैसे ही बारिश की दूसरी पारी शुरू हुई, वैसे ही नगर निगम की स्टॉर्म ड्रेनेज सिस्टम की पोल एक बार फिर खुलकर सामने आ गई है। आज सुबह से हो रही मूसलधार बारिश ने शहर के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति पैदा कर दी, जिसमें उस नए आइकोनिक बिल्डिंग के सामने वाला रोड भी डूब गया, जिसे सूरत महानगरपालिका द्वारा बनाया जा रहा है।

रिंगरोड, लिम्बायत और डिंडोली के गरनाले पानी में डूब गए, जिससे वाहन चालकों और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। इन इलाकों में जगह-जगह ट्रैफिक जाम लग गया।

सुबह से ही बारिश का अलर्ट था और सुबह से ही बादल जमकर बरसे। बारिश शुरू होते ही शहर के निचले इलाकों में पानी भरना शुरू हो गया। रिंगरोड स्थित सब-जेल के पास निगम की ओर से बनाए जा रहे नए प्रशासनिक भवन के सामने भी भारी जलभराव हो गया। वहीं मेट्रो प्रोजेक्ट का काम भी इसी क्षेत्र में चल रहा है, जिससे सड़क की स्थिति और भी खराब हो गई।

दिनभर ट्रैफिक से भरे रहने वाले इस क्षेत्र में पानी भरने से गाड़ियों की लंबी कतारें लग गईं और लोगों को भारी दिक्कत का सामना करना पड़ा।

रिंगरोड पर घंटों फंसे एक वाहन चालक ने नाराजगी जताते हुए कहा, "रोज यही हाल होता है। स्मार्ट सिटी के दावे कहां गए? समय पर ऑफिस पहुंचना भी मुश्किल हो गया है। निगम प्री-मानसून की बड़ी-बड़ी बातें करता है, लेकिन नतीजा शून्य है।"

वहीं एक स्थानीय नेता ने कहा, "यह समस्या सिर्फ ड्रेनेज सिस्टम की नहीं है, बल्कि बेतरतीब निर्माण और पानी के प्राकृतिक बहाव को रोकने के कारण भी है। जब तक इन मुद्दों को गंभीरता से नहीं लिया जाएगा, तब तक ये समस्याएं बनी रहेंगी।"

डिंडोली और लिम्बायत के गरनाले, जो शहर में आवाजाही के लिए अहम माने जाते हैं, वहां भी बारिश का पानी भर गया। सुबह नौकरी-धंधे के लिए निकलने वाले हजारों लोग इन रास्तों का उपयोग करते हैं। जलभराव के कारण कई वाहन चालकों के वाहन बंद हो गए और वे फंस गए। इससे स्थिति और बिगड़ गई।

बारिश ने एक बार फिर नगर निगम की स्टॉर्म ड्रेनेज व्यवस्था और प्री-मानसून तैयारियों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्मार्ट सिटी के दावों के बीच हकीकत यह है कि सामान्य बारिश में भी सूरत के लोगों को जलभराव और ट्रैफिक जाम जैसी समस्याओं से जूझना पड़ रहा है।

पिछले साल भी ऐसी ही स्थिति बनी थी, तब निगम ने सुधारात्मक कदम उठाने का आश्वासन दिया था, लेकिन कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आया।

पश्चिम बंगाल के हत्या-लूट केस के 4 आरोपी कामरेज से गिरफ्तार

मोहल्ले के ही 4 लोगों ने युवक की हत्या कर सोना-नकदी लूटी थी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत ग्रामीण LCB (लोकल क्राइम ब्रांच) पुलिस ने पश्चिम बंगाल में हुई हत्या और लूट के एक मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये आरोपी 18 मई 2025 को पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले के गोआलपोकर इलाके में एक युवक की हत्या कर लूटपाट की घटना में शामिल थे।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों में लालमिया उर्फ मोहम्मद लालमिया (60), उसका बेटा सोएब (22), पत्नी रुखसाना (45) और बेटी सानसाबी (18) शामिल हैं। ये सभी आरोपी मूल रूप से पश्चिम बंगाल के गोआबाड़ी चौनपुरी गांव के निवासी हैं, और वर्तमान में सूरत के कामरेज स्थित उद्योग नगर क्षेत्र में रह रहे थे।

आरोपियों ने शिकायतकर्ता दिलमोहम्मद वजुद्दीन के घर में घुसकर उनके बेटे पर धारदार हथियारों से हमला किया था। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया था और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई थी। आरोपियों ने घर से नकद राशि और सोने के आभूषण भी लूट लिए थे।

सूरत ग्रामीण LCB ने तकनीकी और मानवीय सूचनाओं के आधार पर जांच करते हुए इन सभी आरोपियों को धर दबोचा। सभी आरोपियों को आगे की कार्रवाई के लिए पश्चिम बंगाल पुलिस के हवाले कर दिया गया है।

प्रशासक श्री के दिशानिर्देश में दादरा नगर हवेली पुलिस की बड़ी कार्रवाई

अपहरण और हत्या की साजिश रचने वाले दो फरार आरोपी झारखंड से गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सिलवासा,दादरा एवं नगर हवेली पुलिस ने प्रशासक श्री के दिशा-निर्देशों के तहत एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए अपहरण और हत्या की साजिश में शामिल दो मुख्य फरार आरोपियों को झारखंड की राजधानी रांची से गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अश्विन वामनराव गार्डे और करन राजकुमार सिंह के रूप में हुई है, जो लंबे समय से पुलिस की पकड़ से बाहर थे।

यह सनसनीखेज मामला 17 जून को सामने आया था, जब अमली फुवारा स्थित एस.के. मोबाइल शॉप के मालिक जंकनाथ उर्फ कुनाल सुरज प्रसाद के अपहरण की सूचना मिली थी। पुलिस की त्वरित कार्रवाई में उसी रात उनका खून से लथपथ शव बारातपाड़ा, गलोंडा क्षेत्र के एक सुनसान मैदान में मिला। डॉक्टरों ने अस्पताल में जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

18 जून को दर्ज एफआईआर के आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता 2023 की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर अब तक कुल 8 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। उसी कड़ी में दो अन्य मुख्य आरोपियों की तलाश में पुलिस ने देशभर के कई राज्यों और नेपाल सीमा तक छानबीन की। 15 दिन की लगातार कोशिशों और लगभग 5000 किलोमीटर की दूरी तय कर पुलिस टीम ने आखिरकार दोनों आरोपियों को रांची से गिरफ्तार किया।

पूछताछ में दोनों आरोपियों ने अपना अपराध स्वीकार किया है। पुलिस ने उन्हें 4 जुलाई को औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें 7 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है।

गिरफ्तार आरोपी:

1. अश्विन वामनराव गार्डे, निवासी - ई-101, प्रमुख गार्डन, सिलवासा
2. करन राजकुमार सिंह, निवासी - 402, आइवी-बी, पार्क सिटी, सिलवासा

प्राथमिक जांच में यह बात सामने आई है कि इस जघन्य वारदात के पीछे व्यक्तिगत रंजिश, आरोप-प्रत्यारोप और आपसी अहं का टकराव था। पुलिस का कहना है कि इस मामले में आगे भी कठोर कार्रवाई जारी रहेगी और ऐसे अपराधों को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। फिलहाल, विस्तृत जांच जारी है।

वापी रेलवे स्टेशन पर फर्जी टीटीई का भंडाफोड़

मुसाफिरों की चेकिंग कर रहा दमण का शख्स पकड़ा गया, पहचान पत्र नहीं दिखा पाने पर पुलिस ने दर्ज किया केस

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वापी रेलवे पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने खुद को टीटीई (ट्रैवलिंग टिकट एग्जामिनर) बताकर यात्रियों की चेकिंग करने वाले एक फर्जी व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई वापी रेलवे स्टेशन के इंस्पेक्टर वी.एन. आहीर और उनकी टीम द्वारा की गई।

पश्चिम रेलवे वडोदरा मंडल और डिप्टी एसपी डी.एच. गोर के निर्देशों के अनुसार यात्रियों की सुरक्षा के लिए स्टेशन पर पेट्रोलिंग बढ़ाई गई थी। इसी दौरान 3 जुलाई को वापी रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 2 पर एक व्यक्ति सफेद शर्ट पहनकर यात्रियों की टिकट चेकिंग करता नजर आया।

पुलिस कांस्टेबल अरविंदभाई रमेशभाई को उस व्यक्ति पर शक हुआ, जिसके बाद उन्होंने उससे पहचान पत्र दिखाने को कहा। वह व्यक्ति कोई भी पहचान पत्र नहीं दिखा सका।

स्टेशन पर ड्यूटी पर मौजूद महिला टीटीई श्रीमती सरिता शर्मा की मदद से जब जांच की गई, तो वह व्यक्ति फर्जी टीटीई निकला।

गिरफ्तार किए गए व्यक्ति की पहचान फिरोज पठान (उम्र 41) के रूप में हुई है, जो दमण के चिश्तिया वाड़, नूरानी मस्जिद के पास का निवासी है। पूछताछ में उसने खुद को फर्जी टीटीई होने की बात स्वीकार की।

रेलवे पुलिस ने उसके खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। यात्रियों को धोखा देने के ऐसे प्रयासों के खिलाफ रेलवे पुलिस अब सख्त कार्रवाई कर रही है।